

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, बुधवार, 25 नवंबर 2026

संवत 2083, मार्गशीर्ष कृष्ण प्रतिपदा मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 79 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▶▶ सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट से बाजार में हलचल



वैभव सूर्यवंशी ने रच दिया इतिहास, महज 52 गेंदों में जड़ा दोहरा शतक, ध्वस्त किए कई वर्ल्ड रिकॉर्ड ◀◀ 6

झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र में एसआईआर पर सियासी घमासान बाबूलाल ने सरकार को घेरा, इरफान ने चुनाव आयोग पर साधा निशाना

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो का किया स्वागत एवं अभिनंदन



मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड विधानसभा के षष्ठम (विशेष) सत्र के पहले दिन सदन के भीतर और बाहर राजनीतिक गतिविधियां तेज रहीं। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने जहां सरकार पर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया, वहीं मंत्री इरफान अंसारी ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। दूसरी ओर, भाजपा विधायकों ने भर्ती प्रक्रिया की सीबीआई जांच की मांग को लेकर विधानसभा परिसर में प्रदर्शन किया।

विधानसभा अध्यक्ष का मुख्यमंत्री ने किया स्वागतः झारखंड विधानसभा के षष्ठम (विशेष) सत्र के प्रारंभिक दिन विधानसभा स्थित स्पीकर कक्ष में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

बाबूलाल मरांडी ने सरकार की मंशा पर उठाए सवाल



विधानसभा में एसआईआर को लेकर जारी बहस के दौरान नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सरकार और वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार इस गंभीर विषय पर सदन को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। सरकार की मंशा समझ से परे है। पांच नवंबर को इसकी सूचना मिलने के बावजूद अब तक मंत्रिपरिषद की बैठक नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि सदन को भी एक तरह से मजाक बना दिया गया है। यदि सरकार इस मामले को गंभीर मानती है, तो उसे उसी गंभीरता से काम भी करना चाहिए।

मरांडी ने राजमहल विधायक मोहम्मद ताजुद्दीन के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने एक विशेष समुदाय को लेकर सवाल उठाए थे। मरांडी ने दावा किया कि जमशेदपुर में अफगानी नागरिक मिले हैं। वहीं, गढ़वा का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वर्षों से ईरानी नागरिकों के रहने की बात कही जा रही है। उनके अनुसार, इन लोगों के राशन कार्ड, आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र तक बने हुए हैं, लेकिन उनके भारतीय नागरिक होने का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है। उन्होंने सवाल किया कि राजमहल के विधायक को बताना चाहिए कि ये लोग कौन हैं।

उन्होंने कहा कि फर्जी दस्तावेज बनाने के मामले में पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। दस्तावेजों में पिता और बेटे की उम्र के बीच महज एक साल का अंतर दिखाया गया है। ऐसी विसंगतियों की जांच निर्वाचन आयोग करेगा। यदि इन मामलों की जांच नहीं होगी, तो आयोग की जिम्मेदारी क्या रह जाएगी?

घुसपैठिये और शरणार्थी में अंतर समझना जरूरी : बाबूलाल मरांडी ने कहा कि घुसपैठिये और शरणार्थी के बीच अंतर समझना जरूरी है। बांग्लादेश, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से अवैध तरीके से आने वाले लोगों को घुसपैठिया कहा जाता है। वहीं, इन देशों में प्रताड़ना झेल रहे अल्पसंख्यक हिंदू यदि जान बचाकर भारत आते हैं, तो वे शरणार्थी हैं, घुसपैठिये नहीं। उनके पास जाने के लिए कोई दूसरी जगह नहीं होती। वे अपनी पीड़ा लेकर भारत आते हैं। इसलिए इस विषय को समझदारी और संवेदनशीलता के साथ देखने की जरूरत है।

अगस्त से शुरू हुई प्रक्रिया, 15 दिसंबर तक चलेगा पुनरीक्षणः वित्त मंत्री की ओर से जल्दबाजी का सवाल उठाए जाने पर मरांडी ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया अगस्त से शुरू हुई है और 15 दिसंबर तक चलेगी। 22 दिसंबर को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होना है। यानी यह करीब साढ़े चार महीने की प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया पहली बार नहीं हो रही है। कांग्रेस शासनकाल में भी कई बार ऐसा पुनरीक्षण हुआ है। इसकी शुरूआत 1952 में हुई थी। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर की ओर से सदन में पेश आंकड़ों पर सवाल उठाते हुए मरांडी ने कहा कि पुनरीक्षण से पहले झारखंड में कुल 2 करोड़ 64 लाख 63 हजार 226 मतदाता थे। वहीं, प्रारूप मतदाता सूची में करीब 2 करोड़ 21 लाख मतदाता हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वित्त मंत्री ने आंकड़ों का पूरा ब्योरा नहीं दिया और इस सवाल को टालने की कोशिश की।

इरफान अंसारी ने चुनाव आयोग पर साधा निशाना



दूसरी ओर, एसआईआर को लेकर राज्य में सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। विधानसभा में संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने इस संबंध में संकल्प पेश किया, जिस पर चर्चा होनी है। वहीं, मंत्री इरफान अंसारी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एसआईआर को लेकर बयान दिया।

इरफान अंसारी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भाजपा के एजेंट की तरह काम कर रहा है और झारखंड के लोगों के मताधिकार को खत्म करना चाहता है। उन्होंने कहा कि झारखंड में बंगाल और बिहार जैसी स्थिति नहीं बनने दी जाएगी। यहां मजबूत सरकार है और राज्य के लोगों के अधिकारों को किसी भी कीमत पर खत्म नहीं होने दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि झारखंड में आदिवासी और अल्पसंख्यक समुदाय के लोग परेशान हैं। वे अपने काम के लिए प्रतिदिन प्रखंड और अंचल कार्यालयों का चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। इरफान ने कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को झारखंड लाकर उन्हें यहां के लोगों की स्थिति से अवगत कराया जाएगा।

विशेष सत्र से पहले भाजपा विधायकों का प्रदर्शन भर्ती प्रक्रिया की सीबीआई जांच की मांग



झारखंड विधानसभा के दो दिवसीय विशेष सत्र की कार्यवाही शुरू होने से पहले भाजपा विधायकों ने राज्य सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। विधानसभा परिसर में भाजपा विधायक हाथों में नारंगी और गुलाबी रंग की तख्तियां लेकर पहुंचे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

प्रदर्शन के दौरान भाजपा विधायकों ने युवाओं के रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं और सरकारी नियुक्तियों से जुड़े मुद्दे उठाए। विधायकों ने जेएसएससी-सीजीएल भर्ती प्रक्रिया की सीबीआई जांच कराने की मांग की। इसके साथ ही भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की मांग भी की गई।

भाजपा विधायकों का आरोप है कि राज्य में सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया को लेकर युवाओं में असंतोष है। प्रतियोगी परीक्षाओं और नियुक्तियों से जुड़े सवालों का समाधान होना जरूरी है। विपक्ष ने सरकार से इन मामलों में स्पष्ट जवाब देने की मांग की।

प्रदर्शन में भाजपा के कई विधायक और नेता शामिल हुए। महिला विधायक भी सरकार के खिलाफ विरोध जताती नजर आईं। विधायकों ने तख्तियां दिखाकर अपनी मांगों को बुलंद किया।

विशेष सत्र के पहले ही दिन भाजपा के प्रदर्शन और रुक्ष को लेकर सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के बीच हुई बयानबाजी से विधानसभा परिसर का राजनीतिक माहौल गर्म रहा। अब दो दिवसीय विशेष सत्र के दौरान यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि सरकार विपक्ष के सवालों और मांगों पर क्या जवाब देती है तथा किन मुद्दों पर सदन में चर्चा होती है।

चतरा में पुलिस और राहुल दुबे गैंग के बीच मुठभेड़, गोली लगने से एक अपराधी घायल

टंडवा थाना क्षेत्र में हुई मुठभेड़, गुप्त सूचना पर पुलिस ने चलाया था छापामारी अभियान, एसपी ने की घटना की पुष्टि



संवाददाता

चतराः जिले के टंडवा थाना क्षेत्र में बुधवार को पुलिस और कुख्यात राहुल दुबे गैंग के सदस्यों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान गोली लगने से गैंग का एक सदस्य घायल हो गया। चतरा एसपी अनिमेष नैथानी ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। हालांकि, घायल अपराधी की पहचान और घटना से जुड़ी अन्य विस्तृत जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है।

जानकारी के अनुसार, राहुल दुबे गैंग के कुछ सदस्य टंडवा थाना क्षेत्र में किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। इसकी गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिस ने इलाके में छापामारी अभियान शुरू किया। इसी दौरान पुलिस और अपराधियों का आमना-सामना हो गया और दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। मुठभेड़ में गैंग का एक सदस्य गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। कार्रवाई से संबंधित विस्तृत जानकारी जल्द साझा किए जाने की संभावना है।

हजारीबाग में भी मुठभेड़ में घायल हुए थे दो अपराधीः गौरतलब है कि सोमवार को हजारीबाग जिले के कटकमसांडी थाना क्षेत्र के डांटोखुर्द के पास रेबर गांव स्थित चरेवा टांड में पुलिस और राहुल दुबे गैंग के सदस्यों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस कार्रवाई में गैंग के दो सदस्य दीप नारायण भगत, पिता बिल्टू साव, निवासी पदमा (हजारीबाग) और राहुल कुमार उर्फ रॉकी, पिता द्वारिका रविदास, निवासी नगवां थाना क्षेत्र (चतरा) घायल हुए थे।

पुलिस ने दोनों घायलों को हिरासत में लेकर इलाज के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा था। हजारीबाग की घटना के बाद बुधवार को चतरा के टंडवा में हुई इस मुठभेड़ को लेकर पुलिस की कार्रवाई जारी है।

मिसिसिपी तट के पास समुद्र में गिरा विमान, दो बच्चों समेत छह लोगों की मौत

18 हजार फीट प्रति मिनट की रफ्तार से नीचे आया विमान, गोताखोरों ने मलबे से बरामद किए सभी शव



वाशिंगटनः अमेरिका के मिसिसिपी राज्य में मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक विमान हादसा हुआ। हॉर्न आइलैंड के पास एक छोटा यात्री विमान अनियंत्रित होकर समुद्र में जा गिरा। हादसे में दो बच्चों समेत विमान में सवार सभी छह लोगों की मौत हो गई। अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने सभी छह लोगों की मौत की पुष्टि की है। गोताखोरों द्वारा विमान के मलबे से सभी शव बरामद किए जाने के बाद तलाशी अभियान समाप्त कर दिया गया।

दोपहर 3:45 बजे टूटा था संपर्क, मलबे से मिले सभी शवः जानकारी के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त विमान सेसना सेंटूरियन 210 मॉडल का था। इसमें चार वयस्क और आठ से दस वर्ष की आयु के दो बच्चे सवार थे। मंगलवार दोपहर विमान का फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) से संपर्क टूट गया था। इसके बाद दोपहर करीब 3:45 बजे अमेरिकी कोस्ट गार्ड को अलर्ट किया गया। सूचना मिलते ही बचाव दल समुद्र में पहुंचा।

कोस्ट गार्ड के अनुसार, शुरूआती तलाशी अभियान के दौरान घटनास्थल से तीन लाइफ जैकेट, एक लाइफ राफ्ट और विमान का केबिन बरामद हुआ। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, बाद में मिसिसिपी डिपार्टमेंट ऑफ मरीन रिसोर्सेज के गोताखोरों ने गहरे पानी में विमान के ढांचे के अंदर से सभी छह लोगों के शव बाहर निकाले।

उड़ान के 30 मिनट बाद बिगड़ा संतुलन, 200 मील प्रति घंटे से अधिक थी रफ्तारः फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा के विश्लेषण से हादसे के आखिरी पलों की भयावह तस्वीर सामने आई है। विमान ने न्यू ऑरलियन्स से फ्लोरिडा के फोर्ट मायर्स के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान के करीब 30 मिनट बाद विमान मिसिसिपी के पस्कागौला के दक्षिण में लगभग 8,800 फीट की ऊंचाई पर सामान्य रूप से उड़ रहा था। इसी दौरान अचानक वह तेजी से समुद्र की ओर नीचे गिरने लगा।

डंपर की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत, ग्रामीणों ने चालक को पकड़ा

रामगढ़ः कुजू ओपी क्षेत्र के दिगवार रेलवे ओवरब्रिज के समीप तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान चरही थाना क्षेत्र के तापिन निवासी सुमन कुमार महतो (30) के रूप में हुई है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने डंपर चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के अनुसार, सुमन कुमार महतो अपनी हीरो डीलक्स बाइक से रामगढ़ के कैथा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रेलवे ओवरब्रिज के कट के पास छाई लदे डंपर की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कियाः ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायल युवक को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने डंपर चालक को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और डंपर सहित दुर्घटनाग्रस्त बाइक को जब्त कर लिया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया और उसे परिजनों को सौंप दिया गया। हादसे के बाद सड़क सुरक्षा पर उठे सवालः युवक की असामयिक मौत से परिजनों में मातम पसरा हुआ है। वहीं, क्षेत्र में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर स्थानीय लोगों में चिंता और आक्रोश है। ग्रामीणों ने भारी वाहनों की आवाजाही और सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए दुर्घटना संभावित स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

होटल में शादी समारोह के दौरान गोलीबारी, एक की मौत, दूसरा गंभीर

हजारीबागः शहर के डीवीसी चौक के पास स्थित होटल उपकार में शादी समारोह के दौरान हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर किया गया है। घटना के बाद शादी समारोह की खुशियां मातम में बदल गईं। विवाद के बाद मारपीट और फिर हुई फायरिंगः प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, होटल में शादी समारोह चल रहा था। इसी दौरान बाराती और शराती पक्ष के लोगों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया।

न्यूज IN ब्रीफ

झारखंड में तेजी से बढ़ेगी ठंड, तीन से पांच डिग्री तक गिरेगा पारा



रांची : झारखंड में अब ठंड का असर तेजी से बढ़ने वाला है। चक्रवाती तूफान अकवान का प्रभाव समाप्त होने और आसमान साफ होने के साथ ही राज्य के तापमान में गिरावट शुरू हो गई है। मौसम में आए इस बदलाव के कारण अगले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने का अनुमान है। इससे राजधानी रांची समेत राज्य के अधिकांश हिस्सों में रात के समय ठिठुरन और कनकनी बढ़ेगी। रांची में न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। वहीं, आने वाले दिनों में इसके 11 डिग्री से नीचे जाने की भी संभावना जताई गई है।

आसमान साफ रहने के कारण रात में धरती की गर्मी तेजी से बाहर निकल रही है। इसके चलते न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। मौसम में इस बदलाव का असर खासकर रात और सुबह के समय अधिक महसूस होगा।

बोकारो में एक दिन में चार डिग्री गिरा पाराः पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य के कई जिलों में न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। बोकारो में रात के तापमान में सबसे अधिक चार डिग्री सेल्सियस की कमी आई। वहीं, रांची में 3.3 डिग्री और मेदिनीनगर में 2.8 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई।

मंगलवार को रांची का अधिकतम तापमान 25.7 डिग्री और न्यूनतम तापमान 15.6 डिग्री सेल्सियस रहा। जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी तरह मेदिनीनगर में अधिकतम तापमान 27.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 18.3 डिग्री सेल्सियस रहा। कोडरमा में दिन का अधिकतम तापमान 31.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। दिन और रात के तापमान में अंतर बढ़ने से लोगों को सुबह और रात में ठंड का एहसास अधिक होने लगा है।

सुबह कोहरा, दिन में निकलेगी तेज धूपः बुधवार को राजधानी रांची में आसमान मुख्य रूप से साफ रहने का अनुमान है। यहां अधिकतम तापमान 24 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा छाए रहने की संभावना है। हालांकि, दिन चढ़ने के साथ मौसम साफ होगा और धूप खिलेगी।

नवंबर के शेष दिनों में भी राज्य का मौसम सामान्यतः शुष्क रहने का अनुमान है। इस दौरान बारिश की संभावना बेहद कम है। 30 नवंबर को सुबह कोहरा रहने के बाद आसमान में हल्के बादल छा सकते हैं। हालांकि, इसके बाद मौसम फिर साफ होने की संभावना है।

बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरतः तापमान में लगातार गिरावट को देखते हुए बच्चों, बुजुर्गों और सांस एवं हृदय संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। सुबह और रात के समय ठंडी हवाओं से बचने के लिए गर्म कपड़े पहनने की सलाह दी गई है। वहीं, सुबह कोहरे के दौरान सड़कों पर दृश्यता कम हो सकती है। ऐसे में दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को सतर्क रहने तथा धीमी गति से वाहन चलाने की जरूरत है।

सैप जवानों की नौकरी बचेगी या खत्म होगी? हाईकोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने स्पेशल ऑक्सिलरी पुलिस (सैप) के जवानों की सेवा अवधि बढ़ाने और उम्र सीमा में छूट देने की मांग से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई पूरी करने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत में इस मामले में दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी दलीलें पेश कीं। सैप में संविदा पर तैनात पूर्व सैनिकों ने सेवा जारी रखने की मांग की है, जबकि राज्य सरकार ने संविदा की निर्धारित शर्तों का हवाला देते हुए याचिकाओं का विरोध किया।

सात साल की सेवा के बाद हटाना उचित नहीं : याचिकाकर्ता

शिवकुमार साव, परमानंद कुमार और सावना भगत समेत सैकड़ों सैप जवानों ने नौकरी में बने रहने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याचिकाकताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अजीत कुमार ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि राज्य सरकार ने सैप योजना की अवधि बढ़ाकर मई 2027 तक कर दी है। ऐसे में पहले से कार्यरत जवानों की सेवा अवधि और उम्र सीमा में भी इसी के अनुरूप विस्तार किया जाना चाहिए।

उन्होंने अदालत को बताया कि केवल सात साल की सेवा पूरी होने के आधार पर अनुभवी जवानों को हटाना उचित नहीं है। जवानों ने लंबे समय तक अपनी सेवाएं दी हैं। इसलिए उन्हें आगे भी काम करने का अवसर मिलना चाहिए।

सरकार ने कहा- नियुक्ति की शर्तों से पहले से परिचित थे जवानः राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता रोहितास्य राय ने याचिकाओं का विरोध किया। उन्होंने अदालत को बताया कि सैप जवानों की नियुक्ति पूरी तरह संविदा की शर्तों के आधार पर हुई थी। नियुक्ति के समय ही उन्हें अधिकतम सात साल की सेवा सीमा की जानकारी दे दी गई थी। सभी जवानों ने इन शर्तों को स्वीकार कर नौकरी की और निर्धारित वेतन प्राप्त किया।

सरकार की ओर से दलील दी गई कि संविदा की अवधि पूरी होने के बाद नियुक्ति की शर्तों को चुनौती देना उचित नहीं है। योजना की अवधि बढ़ने का यह मतलब नहीं है कि पहले से कार्यरत जवानों की सेवा भी अपने आप बढ़ जाएगी।

दो साल से शुरू हुई थी नियुक्ति, अधिकतम सात साल की सीमाः राज्य सरकार ने अदालत को बताया कि नियुक्ति नियमों के तहत सैप जवानों की शुरूआती सेवा अवधि दो साल निर्धारित की गई थी। इसे अधिकतम पांच साल तक बढ़ाया जा सकता था। इस तरह किसी जवान की कुल सेवा अवधि सात साल से अधिक नहीं हो सकती थी।

सरकार का यह भी कहना था कि सैप जवानों की नियुक्ति एक विशेष आवश्यकता को पूरा करने के लिए की गई थी, जो अब काफी हद तक समाप्त हो चुकी है। जरूरत पड़ने पर सरकार नए जवानों की नियुक्ति कर सकती है।

फिलहाल, हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। अब जवानों को अदालत के अंतिम फैसले का इंतजार है।

कोटांगेर में 19 जंगली हाथियों का उत्पात, मंदिर परिसर और पुरोहित का घर किया क्षतिग्रस्त

पंचमुखी हनुमान मंदिर का सिंचाई सिस्टम बर्बाद, घर में घुसकर चावल और घरेलू सामान किया नष्ट , ग्रामीणों ने मांगा मुआवजा

संवाददाता

रनिया (खूंटी) : रनिया प्रखंड के सुदूरवर्ती गांव कोटांगेर में देर रात 19 जंगली हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। हाथियों ने गांव स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर परिसर को नुकसान पहुंचाने के साथ पुरोहित धीरेंद्र मिश्रा के घर का दरवाजा तोड़ दिया। इस घटना में घर के सामान और मंदिर परिसर का सिंचाई सिस्टम क्षतिग्रस्त हो गया। जानकारी के अनुसार, देर रात जब ग्रामीण गहरी नींद में थे, तभी 19 हाथियों का झुंड गांव में पहुंच गया। हाथियों के गांव में प्रवेश करते ही ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। झुंड मंदिर परिसर पहुंचा, जहां एक हाथी ने पुरोहित धीरेंद्र मिश्रा के एस्बेस्टस लगे मकान का दरवाजा तोड़ दिया और घर के अंदर घुस गया। हाथी ने बर्तन, कपड़े और अन्य घरेलू सामान को तहस-नहस कर दिया। घर में रखा चावल भी खा गया।



वहीं, झुंड के अन्य हाथियों ने मंदिर परिसर में खेती और बागवानी के लिए लगाए गए सिंचाई सिस्टम के पाइप और उपकरणों को रौंदकर बर्बाद कर दिया। इस घटना में पुरोहित को हजारों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। गनीमत रही कि समय रहते ग्रामीण सतर्क हो गए और कोई जनहानि नहीं हुई।

घटना के बाद सुबह ग्रामीणों और पीड़ित परिवार ने नुकसान का जायजा लिया। मकान का दरवाजा टूटने, घरेलू सामान और अनाज नष्ट होने के साथ सिंचाई प्रणाली बर्बाद होने से परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। पीड़ित परिवार ने वन विभाग के कर्मियों को घटना की सूचना देकर क्षति का आकलन करने और जल्द मुआवजा देने की मांग की है।गौरतलब है कि रनिया प्रखंड के जंगलों से सटे ग्रामीण इलाकों में लंबे समय से जंगली हाथियों की आवाजाही बनी हुई है। हाथियों के झुंड आए दिन गांवों में घुसकर किसानों की फसलों को रौंद रहे हैं और मकानों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। लगातार हो रही घटनाओं से ग्रामीणों में भय और असुरक्षा का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शाम होते ही लोग घरों में कैद होने को मजबूर हो जाते हैं और रातभर जागकर अपनी सुरक्षा करते हैं।

ग्रामीणों ने वन विभाग से 19 हाथियों के झुंड की निगरानी के लिए विशेष टीम तैनात करने और उन्हें सुरक्षित रूप से जंगल की ओर खदेड़ने की मांग की है। साथ ही प्रभावित परिवार को जल्द मुआवजा देने और ग्रामीणों को हाथियों से बचाव के लिए आवश्यक सुरक्षा सामग्री उपलब्ध कराने की अपील की है।

हाइवा पलटने से युवक की मौत

सुरसू घाटी के बरहाकोचा में हुआ हादसा, पुलिस ने वाहन जब्त कर शुरू की जांच

संवाददाता

मुरी : जोन्हा-पुरबडीह-गोला मार्ग पर सुरसू घाटी के बरहाकोचा में मंगलवार दोपहर दर्दनाक सड़क हादसे में करीब 26 वर्षीय युवक की मौत हो गई। तेज रफ्तार हाईवा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। हादसे में वाहन पर सवार चोकोरबेड़ा (कोरांबे) निवासी मंगरू बेदिया की मौके पर ही मौत हो गई।



जानकारी के अनुसार, मंगलवार दोपहर हाईवा जोन्हा-पुरबडीह मार्ग से गुजर रहा था। इसी दौरान सुरसू घाटी के बरहाकोचा के पास चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा। देखते ही देखते हाईवा सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। दुर्घटना इतनी गंभीर थी कि मंगरू बेदिया को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही सिकिदिरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त हाईवा को जब्त कर लिया है। फिलहाल फरार चालक की तलाश और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है।

केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया से मिला झारखंड चेंबर का प्रतिनिधिमंडल

संवाददाता

रांची : झारखंड को स्वास्थ्य और रेल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में दो बड़ी सौगातें मिल सकती हैं। रांची में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना और अहमदाबाद के लिए सीधी ट्रेन चलाने की मांग उठाई गई है। झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय श्रम एवं रोजगार, युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया से मुलाकात कर इन मांगों को उनके समक्ष रखा।

चेंबर ने अहमदाबाद और रांची के बीच सुपरफास्ट या अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन शुरू कराने का आग्रह किया। चेंबर अध्यक्ष तुलसी पटेल ने कहा कि गुजरात और झारखंड के बीच सीधी रेल सेवा नहीं होने से व्यापारियों, विद्यार्थियों, मरीजों और आम यात्रियों को काफी परेशानी होती है। इन मार्गों से ट्रेन चलाने का दिया सुझावः चेंबर अध्यक्ष ने अहमदाबाद और रांची के बीच सीधी रेल सेवा शुरू करने के लिए छायापुरी, उज्जैन, भोपाल, कटनी, सिंगरौली, चोपन, डालटनगंज और लोहरदगा होते हुए ट्रेन चलाने का सुझाव दिया। प्रतिनिधिमंडल का कहना था कि इस रेल सेवा के शुरू होने से झारखंड और गुजरात के बीच व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही विद्यार्थियों, मरीजों और अन्य यात्रियों को भी आवागमन में सुविधा होगी।

रांची में एम्स की स्थापना से मरीजों को मिलेगी राहतः प्रतिनिधिमंडल ने रांची में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना की मांग भी प्रमुखता से उठाई। चेंबर सदस्यों ने कहा कि झारखंड में एम्स बनने से राज्य के विभिन्न जिलों के मरीजों को बेहतर और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। इसका लाभ पड़ोसी राज्यों के लोगों को भी मिलेगा। गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए मरीजों की दूसरे राज्यों पर निर्भरता कम होगी।

किता के स्पास पलटा बालू लदा हाइवा बाल-बाल बचे चालक और उपचालक

सिल्ली : सिल्ली-मुरी-रांची मुख्य मार्ग पर किता के पास बीती रात बालू लदा एक हाईवा अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक और उपचालक बाल-बाल बच गए। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। किता गांव के ग्रामीणों के अनुसार, राढू नदी के झाबरी बालू घाट से प्रतिदिन दर्जनों हाईवा में बालू लादकर रातभर ढुलाई की जाती है। अधिक ट्रिप लगाने के चक्कर में वाहन तेज रफ्तार से चलते हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बालू लदे हाईवा की तेज रफ्तार के कारण सड़क पर चलना मुश्किल हो गया है। इसके बावजूद दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती। वहीं, मोटरसाइकिल से मामूली दुर्घटना होने पर भी कार्रवाई के नाम पर लोगों को डराया-धमकाया जाता है। ग्रामीणों ने बालू के अवैध परिवहन और तेज रफ्तार वाहनों पर कार्रवाई की मांग की है।



तेज रफ्तार हाइवा ने एलपीटी वाहन को मारी टक्कर, होटल में घुसा वाहन

संवाददाता

खूंटी : खूंटी-कोलेबिरा स्टेट हाईवे-3 पर तोरपा थाना क्षेत्र के डोडमा तेली टोली के समीप मंगलवार शाम तेज रफ्तार के कारण बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। शाम करीब 6:45 बजे खूंटी से तोरपा की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार हाईवा ने आगे चल रहे एलपीटी वाहन को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।



प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हाईवा की रफ्तार काफी तेज थी। चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और पीछे से एलपीटी वाहन को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद एलपीटी वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित शिबू महतो के होटल में जा घुसा।

इस दुर्घटना में होटल की दीवार और छत पर लगा एस्बेस्टस टूटकर क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं, हाईवा और एलपीटी वाहन को भी नुकसान पहुंचा है। गनीमत रही कि घटना के वक्त होटल के अंदर कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। दुर्घटना की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर जुट गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना तोरपा थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेकर मामले की जांच शुरू कर दी।

राज्य स्थापना दिवस पखवाड़ा पर लातेहार में मेला-सह-प्रदर्शनी, लाभुकों के बीच बांटी गई परिसंपत्तियां

योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता: डीसी

संजय कुमार यादव

लातेहारः झारखंड राज्य स्थापना दिवस पखवाड़ा के समापन अवसर पर मंगलवार को लातेहार के टाउन हॉल परिसर में मेला-सह-प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस दौरान सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ विभिन्न विभागों की ओर से लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों और स्वीकृति पत्रों का वितरण किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त संदीप कुमार, जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी और उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

मौके पर उपायुक्त संदीप कुमार ने जिलेवासियों को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और झारखंड स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व को देखते हुए सरकार के निदेर्शानुसार इस वर्ष राज्य स्थापना दिवस समारोह पखवाड़े के रूप में मनाया गया। इसके तहत 17 से 24 नवंबर तक जिले के विभिन्न विभागों की ओर से जनकल्याणकारी और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

उन्होंने कहा कि झारखंड की पहचान समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपरा और प्राकृतिक संपदा से है। भगवान बिरसा मुंडा के जल, जंगल और जमीन की रक्षा के संघर्ष से प्रेरणा लेते हुए सभी को जिले के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए।

योजनाओं की जानकारी लेकर लाभ उठाएं लोगःउपायुक्त ने कहा कि मेला-सह-प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाना है। जिला प्रशासन का प्रयास है कि योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसके लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय और जवाबदेही के साथ काम करना होगा। उन्होंने लोगों से विभिन्न विभागों के स्टॉल का भ्रमण कर योजनाओं की जानकारी लेने और पात्रता के अनुसार लाभ उठाने की अपील की।

जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी ने कहा कि झारखंड का गठन लंबे संघर्ष और बलिदान के बाद हुआ है। राज्य की संस्कृति, परंपरा और जनजातीय विरासत हमारी पहचान है। हमें अपने पूर्वजों के सपनों का झारखंड बनाने में योगदान देना चाहिए। वहीं, उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद ने कहा कि ऐसे आयोजन सरकारी योजनाओं, विकास कार्यों और सांस्कृतिक विरासत को आम लोगों तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष महेश सिंह ने भी आयोजन की सराहना की।



लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों और नियुक्ति पत्रों का वितरणः कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों की ओर से लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों और स्वीकृति पत्रों का वितरण किया गया। समाज कल्याण विभाग की ओर से 20 बच्चों को स्वेटर, सावित्रीबाई फुले योजना के लाभुकों को प्रमाण पत्र, तीन लाभुकों को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना का लाभ तथा एक सेविका और एक सहायिका को चयन पत्र दिया गया।

राजस्व विभाग की ओर से मनिका, चंदवा और लातेहार अंचल के दो-दो ग्राम प्रधानों को सम्मानित किया गया। आपदा प्रबंधन के तहत दो आश्रितों को मुआवजा राशि दी गई। इसके अलावा एक ट्रैक्टर, दो व्यक्तिगत वन पट्टे और दो वाद्य यंत्र वितरित किए गए। हिट एंड रन मामलों में दो आश्रितों को मुआवजा दिया गया। वहीं, 20 जनवितरण प्रणाली दुकानदारों और दो प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। छह नियुक्ति पत्र और सर्वजन पेंशन योजना के दो स्वीकृति पत्र भी वितरित किए गए।

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत तीन लाभुकों को गाय और चार यूनिट बतख वितरित की गई। जेएसएलपीएस की ओर से लोटापानी और सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) का वितरण किया गया। नगर पंचायत की ओर से दो लाभुकों को शहरी आवास योजना का स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया।

पारंपरिक नृत्य से बच्चों ने बांधा समां, आंदोलनकारी हुए सम्मानितः कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने पारंपरिक और आदिवासी सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर झारखंड आंदोलनकारियों को शॉल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट प्रस्तुति देने वाले स्कूली बच्चों को भी सम्मानित किया गया। साथ ही स्वास्थ्य जांच और रक्तदान शिविर का आयोजन कर लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया। इन स्टॉलों के माध्यम से कृषि, स्वास्थ्य, आजीविका, कौशल विकास, सामाजिक सुरक्षा और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

मौके पर आईटीडीए निदेशक सरोजिनी तिर्की, अपर समाहर्ता सलमान जफर खिजरी, डीएलओ प्रभात कुमार, सांसद प्रतिनिधि अमलेश सिंह, विधायक प्रतिनिधि, जिला परिषद सदस्य, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

झारखंड हाईकोर्ट के नए मुख्य न्यायाधीश होंगे न्यायमूर्ति विभु बाखरू

27 नवंबर को सेवानिवृत्त होंगे वर्तमान मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक, हाईकोर्ट में होगा फुलकोर्ट फेयरवेल

संवाददाता

रांची: झारखंड हाईकोर्ट को जल्द ही नया मुख्य न्यायाधीश मिलने जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति विभु बाखरू को झारखंड हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की है। वर्तमान मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति महेश शरदचंद्र सोनक 27 नवंबर को सेवानिवृत्त होंगे। उनके सम्मान में इसी दिन हाईकोर्ट परिसर में फुलकोर्ट फेयरवेल रेफरेंस आयोजित किया जाएगा।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एमएस सोनक के सम्मान में आयोजित यह कार्यक्रम दोपहर 1:45 बजे हाईकोर्ट परिसर स्थित कोर्ट नंबर-1 में शुरू होगा। गौरतलब है कि झारखंड में पूर्णकालिक मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत



सोरेन ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम और भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर आग्रह किया था।

नवंबर 2028 तक रहेगा कार्यकालः न्यायमूर्ति विभु बाखरू की नियुक्ति की सिफारिश से झारखंड हाईकोर्ट को अनुभवी न्यायिक नेतृत्व मिलने का रास्ता साफ हुआ है। उनका निर्धारित सेवा कार्यकाल 1 नवंबर 2028 तक है। ऐसे में यदि वह झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का पदभार संभालते हैं, तो राज्य को करीब दो वर्षों तक उनका नेतृत्व मिलेगा।

न्यायमूर्ति बाखरू को वाणिज्यिक, कर और कॉरपोरेट कानूनों का विशेषज्ञ माना जाता है। झारखंड खनिज संपदा से समृद्ध औद्योगिक राज्य है। यहां खनन, प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों और कॉरपोरेट मामलों से जुड़े कई कानूनी विवाद सामने आते हैं। ऐसे में उनके कानूनी अनुभव का लाभ इन मामलों के निस्तारण में मिल सकता है।

नागपुर में जन्म, दिल्ली में हुई पढ़ाईः न्यायमूर्ति विभु बाखरू का जन्म 2 नवंबर 1966 को महाराष्ट्र के नागपुर में हुआ था। हालांकि, उनका बचपन और शुरूआती शिक्षा दिल्ली में हुई। उन्होंने नई दिल्ली के दिल्ली पब्लिक स्कूल, मथुरा रोड से स्कूली शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद 1987 में दिल्ली विश्वविद्यालय से बीकॉम ऑनर्स की डिग्री हासिल की।

वाणिज्य की पढ़ाई के बाद उन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंसी की परीक्षा उत्तीर्ण की। वर्ष 1989 में इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया से सीए की अंतिम परीक्षा पास की। इसके बाद कानून के क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए 1990 में दिल्ली विश्वविद्यालय के लॉ सेंटर-1 से एलएलबी की डिग्री प्राप्त की।

सुप्रीम कोर्ट से दिल्ली हाईकोर्ट तक वकालत का सफरः न्यायमूर्ति बाखरू ने वर्ष 1990 में दिल्ली बार काउंसिल में पंजीकरण के साथ वकालत शुरू की थी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट, दिल्ली हाईकोर्ट और कंपनी लॉ बोर्ड में वाणिज्यिक, कर एवं कॉरपोरेट कानूनों से जुड़े मामलों की पैरवी की। उनकी विशेषज्ञता को देखते हुए जुलाई 2011 में उन्हें वरिष्ठ अधिवक्ता नामित किया गया।अप्रैल 2013 में उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया। करीब 12 वर्षों के न्यायिक कार्यकाल में उन्होंने कई महत्वपूर्ण संवैधानिक और वाणिज्यिक मामलों की सुनवाई की। दिसंबर 2024 से जनवरी 2025 तक उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की जिम्मेदारी भी संभाली।

इसके बाद 19 जुलाई 2025 को उन्होंने कर्नाटक हाईकोर्ट के 35वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। अब सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश के बाद उनके झारखंड हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनने का रास्ता खुल गया है।

28 नवंबर को आदिवासी संगठनों का झारखंड बंद, आज रांची में निकलेगा मशाल जुलूस

झारखंड स्थापना दिवस के कार्यक्रम स्थगित होने के विरोध में आदिवासी संगठनों ने किया बंद का आह्वान

मेट्रो रेज



रांची: झारखंड में आगामी 28 नवंबर को विभिन्न आदिवासी संगठनों की ओर से राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया गया है। बंद को सफल बनाने के लिए राजधानी रांची समेत राज्य के कई जिलों में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में मंगलवार, 25 नवंबर की शाम रांची में विशाल मशाल जुलूस निकाला जाएगा।

स्थापना दिवस के कार्यक्रम स्थगित होने से नाराज हैं आदिवासी संगठनः आदिवासी संगठनों के अनुसार, बंद का मुख्य कारण 15 नवंबर को झारखंड स्थापना दिवस के मुख्य कार्यक्रमों का स्थगित किया जाना है। संगठनों का आरोप है कि राज्य सरकार ने झारखंड स्थापना दिवस और धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को उचित सम्मान नहीं दिया। आदिवासी नेताओं का कहना है कि झारखंड राज्य का गठन लंबे संघर्ष और अनगिनत बलिदानों के बाद हुआ है। ऐसे में स्थापना दिवस के ऐतिहासिक महत्व के साथ किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जयपाल सिंह स्टेडियम से निकलेगा मशाल जुलूसः बंद के समर्थन में जनसमर्थन जुटाने के उद्देश्य से आज शाम राजधानी की सड़कों पर आदिवासी संगठन मशाल जुलूस निकालेंगे। जुलूस जयपाल सिंह स्टेडियम के पास से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए अलबर्ट एक्का चौक पहुंचेगा, जहां इसका समापन होगा। इस दौरान प्रदर्शनकारी आम लोगों, व्यापारियों और सामाजिक संगठनों से 28 नवंबर के बंद को समर्थन देने की अपील करेंगे।

बाजार, परिवहन और शिक्षण संस्थानों पर पड़ सकता है असरः 28 नवंबर को प्रस्तावित बंद के दौरान बाजार, सार्वजनिक परिवहन, बस और ऑटो सेवा तथा स्कूल-कॉलेजों के संचालन को लेकर अभी तक कोई विस्तृत आधिकारिक दिशा-निर्देश जारी नहीं किया गया है। प्रशासन पूरे घटनाक्रम पर नजर रख रहा है।

रांची रेलवे स्टेशन पर मूक-बधिर यात्रियों को मिलेगी बड़ी सुविधा डिजिटल अवतार सांकेतिक भाषा में देगा ट्रेन की जानकारी

दिसंबर के अंत तक शुरू हो सकती है डिजिटल सूचना प्रणाली स्टेशन की सभी 20 एलईडी स्क्रीन पर मिलेगी सुविधा

संवाददाता

रांचीः रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार करते समय अब सुनने में अक्षम यात्रियों को जरूरी जानकारियों के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। रांची रेलवे स्टेशन पर जल्द ही डिजिटल सांकेतिक भाषा सूचना प्रणाली शुरू होने जा रही है। इस तकनीक के माध्यम से एक डिजिटल अवतार सांकेतिक भाषा में ट्रेनों के आगमन, प्रस्थान, प्लेटफॉर्म में बदलाव और अन्य जरूरी सूचनाएं देगा।

स्टेशन की सभी 20 एलईडी स्क्रीन पर यह सुविधा उपलब्ध होगी। खास बात यह है कि रांची झारखंड ही नहीं, बल्कि दक्षिण पूर्व रेलवे का पहला स्टेशन होगा, जहां यह व्यवस्था शुरू की जाएगी।

दिसंबर के अंत तक शुरू करने का लक्ष्यः रेलवे का लक्ष्य दिसंबर 2026 के अंत तक इस सुविधा को शुरू करने का है। फिलहाल इस प्रणाली की खरीद प्रक्रिया जारी है। शुरूआत में डिजिटल सांकेतिक भाषा सूचना प्रणाली हिंदी और अंग्रेजी में काम करेगी। हालांकि, इसे अन्य भाषाओं के अनुकूल भी तैयार किया गया है।

डिजिटल अवतार सांकेतिक भाषा में देगा जानकारीः इस



प्रणाली के तहत एक डिजिटल अवतार सांकेतिक भाषा के माध्यम से यात्रियों तक रेलवे से जुड़ी जरूरी सूचनाएं पहुंचाएगा। इसके लिए रेलवे में इस्तेमाल होने वाले सामान्य शब्दों और विभिन्न स्टेशनों के नाम का विशेष डिजिटल शब्दकोश भी तैयार किया गया है। इसकी मदद से यात्री रेलवे से संबंधित जरूरी शब्दों और घोषणाओं को सांकेतिक भाषा में आसानी से समझ सकेंगे।

प्लेटफॉर्म बदलने और ट्रेनों की जानकारी भी मिलेगीः इस डिजिटल व्यवस्था के जरिए नियमित ट्रेन घोषणाओं के अलावा विशेष परिस्थितियों में रेलवे की ओर से जारी लिखित संदेश भी सांकेतिक भाषा में दिखाए जाएंगे। इससे ट्रेनों के आगमन और प्रस्थान के समय, प्लेटफॉर्म में बदलाव तथा अन्य जरूरी सूचनाओं को समझना आसान होगा। यात्रियों को केवल ऑडियो अनाउंसमेंट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

बिना इंटरनेट के भी काम करेगी प्रणालीः इस नई सूचना प्रणाली की खासियत यह भी है कि इसके संचालन के लिए इंटरनेट कनेक्टिविटी की जरूरत नहीं होगी। यह बिजली आपूर्ति और बैकअप व्यवस्था के जरिए संचालित होगी। ऐसे में इंटरनेट कनेक्शन में परेशानी आने पर भी यात्रियों को जरूरी जानकारियां मिलती रहेंगी।

दिव्यांग यात्रियों को आत्मनिर्भर बनाना उद्देश्यः रांची रेलमंडल के सीनियर डीसीएम विनोद कुमार ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य सुनने में अक्षम यात्रियों को स्वतंत्र रूप से यात्रा संबंधी जानकारी उपलब्ध कराना है। इससे उन्हें ट्रेन और प्लेटफॉर्म से जुड़ी सूचनाएं प्राप्त करने के लिए दूसरे लोगों की मदद लेने की जरूरत कम होगी।

सिलागांई में कांग्रेस की ग्राम चौपाल, एसआइआर और पेसा कानून पर ग्रामीणों से किया संवाद

-प्रदेश प्रभारी के राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और पूर्व मंत्री बंधु तिर्की हुए शामिल



संवाददाता

रांची: रांची जिले के चान्हो प्रखंड अंतर्गत सिलागांई गांव में बुधवार को कांग्रेस की ओर से एसआइआर और पेसा कानून को लेकर ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। इसमें कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और पूर्व मंत्री बंधु तिर्की समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

ग्राम चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों के बीच एसआइआर और पेसा कानून से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। नेताओं ने इन विषयों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए ग्रामीणों को पार्टी का पक्ष बताया।

ग्रामीणों को जागरूक करने पर जोरः चौपाल का उद्देश्य ग्रामीणों को एसआइआर और पेसा कानून से जुड़े मुद्दों के प्रति जागरूक करना और उनके साथ सीधा संवाद स्थापित करना था। इस दौरान नेताओं ने ग्रामीणों की बातें सुनीं और स्थानीय स्तर पर राजनीतिक एवं सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की।

प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व के नेता हुए शामिलः कार्यक्रम में प्रदेश प्रभारी के राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और पूर्व मंत्री बंधु तिर्की की मौजूदगी रही। वरिष्ठ नेताओं के एक साथ शामिल होने से कार्यक्रम को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके माध्यम से कांग्रेस ने ग्रामीण क्षेत्रों में एसआइआर और पेसा कानून को लेकर अपनी बात पहुंचाने का प्रयास किया।

शादी समारोह में धनबाद गया था परिवार बोकारो के घर से 17 लाख के जेवरात चोरी

सेक्टर-12 के आवास को चोरों ने बनाया निशाना, 15 लाख के सोने और तीन लाख के चांदी के आभूषण ले उड़े



बोकारोः शहर के सेक्टर-12 थाना क्षेत्र में चोरों ने एक बंद आवास को निशाना बनाकर करीब 17 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी कर ली। घटना के समय घर के सभी सदस्य धनबाद के राजगंज में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। परिवार की गैरमौजूदगी का फायदा उठाकर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया।

जानकारी के अनुसार, आवास संख्या 3073 में रहने वाले राजेंद्र दास बीएसएल के सीसीएस विभाग में पदस्थापित हैं। चोर घर से करीब 15 लाख रुपये के सोने के आभूषण, जिनमें कंगन, अंगूठी और मांगटीका समेत कई गहने शामिल हैं, ले गए। इसके अलावा लगभग तीन लाख रुपये के चांदी के आभूषण, चांदी के बर्तन और 10 हजार रुपये नकद भी चोरी कर लिए।

शादी से लौटने पर टूटा मिला मुख्य दरवाजे का तालाः गृहस्वामिनी आरती कुमारी ने बताया कि वह अपनी मौसी के बेटे की शादी में शामिल होने राजगंज गई थीं। वापस लौटने पर घर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला। अंदर जाने पर सामान बिखरा हुआ था और अलमारी से जेवरात गायब थे। इसके बाद उन्होंने सेक्टर-12 पुलिस को घटना की सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा चोरी से जुड़े सुराग जुटाने में लगी है। खबर लिखे जाने तक प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई थी। पुलिस ने गृहस्वामी राजेंद्र दास को थाने बुलाया है।

गोविंदपुर में पुल के पिलर से लटका मिला व्यक्ति का शव, इलाके में सनसनी

धनबादः गोविंदपुर थाना क्षेत्र के खुदिया नदी पुल के पास बुधवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब पुल के एक पिलर से रस्सी के सहारे लटका एक व्यक्ति का शव मिला। शव मिलने की खबर फैलते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही गोविंदपुर थाना की पुलिस पहुंची और जांच शुरू की।

स्थानीय लोगों के अनुसार, बुधवार सुबह कुछ लोग शौच के लिए नदी की ओर गए थे। इसी दौरान उनकी नजर पुल के पिलर से लटक रहे शव पर पड़ी। यह दृश्य देखकर लोग सहम गए। इसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद शव को नीचे उतारा। मृतक की पहचान के लिए उसके कपड़ों की तलाशी ली गई। इस दौरान जेब से एक आधार कार्ड मिला। आधार कार्ड पर नरेश कुमार विश्वकर्मा, निवासी आनंद नगर, सरायढेला, धनबाद का नाम दर्ज है।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल आत्महत्या समेत अन्य सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

अनाथ और दिव्यांग विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए मिलेंगे 10 लाख रुपये, हर महीने 4 हजार की मदद

झारखंड की वाल्मिकी छात्रवृत्ति योजना में बदलाव, अब आवेदन से लेकर सत्यापन तक पूरी प्रक्रिया होगी ऑनलाइन



रांचीः झारखंड सरकार ने अनाथ और दिव्यांग विद्यार्थियों को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने वाली वाल्मिकी छात्रवृत्ति योजना में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। इसके तहत पात्र विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए सालाना अधिकतम 10 लाख रुपये तक की छात्रवृत्ति दी जाएगी। इसके अलावा दैनिक जरूरतों, अध्ययन सामग्री और अन्य खर्चों के लिए हर महीने 4 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी मिलेगी।

योजना में सबसे बड़ा बदलाव आवेदन प्रक्रिया को लेकर किया गया है। अब आवेदन, सत्यापन, स्वीकृति, शिकायत और निगरानी से जुड़ी पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। इससे पारदर्शिता बढ़ने के साथ विद्यार्थियों को योजना का लाभ लेने में सहूलियत होगी।

क्या है वाल्मिकी छात्रवृत्ति योजना?

वाल्मिकी छात्रवृत्ति योजना झारखंड सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य अनाथ और दिव्यांग विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा तथा तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने में आर्थिक मदद देना है। आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण कई प्रतिभाशाली विद्यार्थी आगे की पढ़ाई जारी नहीं रख पाते। विशेषकर अनाथ और दिव्यांग विद्यार्थियों के सामने शिक्षा, रहने, दैनिक जरूरतों और अध्ययन सामग्री की व्यवस्था करना चुनौतीपूर्ण होता है।

इन्हीं समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सरकार ने इस योजना के माध्यम से पात्र विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा का आर्थिक बोझ कम करने का प्रयास किया है। इसके तहत बड़ी राशि की छात्रवृत्ति के साथ हर महीने अतिरिक्त वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी।

ऑनलाइन होगी पूरी आवेदन प्रक्रियाः योजना के नए प्रावधानों के तहत आवेदन से लेकर सत्यापन और स्वीकृति तक की प्रक्रिया ऑनलाइन संचालित होगी। शिकायत दर्ज कराने और योजना की निगरानी की व्यवस्था भी डिजिटल माध्यम से की जाएगी। इससे आवेदन की स्थिति जानना और प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखना आसान होगा।

एचईसी की 1,500 एकड़ जमीन पर अतिक्रमण, 800 क्वार्टरों पर अवैध कब्जा

संपत्तियों का रिकॉर्ड दुरुस्त करने में जुटा प्रबंधन,लीज पर आवंटित करीब 2,000 क्वार्टरों में भी शर्तों के उल्लंघन की आशंका, पुराने मामलों की हो रही जांच

संवाददाता

रांचीः राजधानी स्थित हैवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन (एचईसी) की जमीन और आवासीय परिसंपत्तियों पर अतिक्रमण का मामला एक बार फिर चर्चा में है। कंपनी की करीब 1,500 एकड़ जमीन पर अतिक्रमण होने और लगभग 800 आवासीय क्वार्टरों पर अवैध कब्जे की जानकारी सामने आयी है। इसके अलावा करीब 2,000 क्वार्टर ऐसे हैं, जिनके आवंटन में लीज की शर्तों का उल्लंघन किए जाने की बात सामने आयी है।

कंपनी प्रबंधन अब इन सभी संपत्तियों की वास्तविक स्थिति का आकलन कर उनका रिकॉर्ड दुरुस्त करने में जुटा है।

जमीन और क्वार्टरों का अलग-अलग तैयार हो रहा ब्योराः एचईसी प्रशासन की ओर से



अतिक्रमित जमीन, खाली भूखंड, अवैध कब्जे वाले आवास और लीज पर दिए गए क्वार्टरों का अलग-अलग रिकॉर्ड तैयार कराया जा रहा है। इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि कंपनी की कितनी जमीन पर बाहरी लोगों का कब्जा है और कितने आवास निर्धारित नियमों के विपरीत इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

कई स्थानों पर छोटे-बड़े निर्माण होने के कारण जमीन की वास्तविक सीमा और मौजूदा स्थिति का मिलान करना भी प्रबंधन के लिए चुनौती बना हुआ है।

पुराने नोटिस और कार्रवाई का भी होगा आकलनः प्रबंधन अतिक्रमण से जुड़े पुराने मामलों के दस्तावेजों की भी जांच कर रहा है। इसमें यह जानकारी जुटायी जा रही है कि किन लोगों को पहले नोटिस जारी किए गए थे, किन मामलों में कानूनी प्रक्रिया शुरू हुई और कहां अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई।

लीज पर आवंटित क्वार्टरों के मामले में भी शर्तों के उल्लंघन और आवासों के गलत इस्तेमाल से संबंधित रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं।

आर्थिक संकट के बीच संपत्तियों को सुरक्षित रखने की चुनौतीः लंबे समय से आर्थिक संकट का सामना कर रही एचईसी के लिए जमीन और आवास बड़ी परिसंपत्तियां हैं। कंपनी पर दो हजार करोड़ रुपये से अधिक की देनदारियां बतायी जा रही हैं। कर्मचारियों के वेतन भुगतान में भी देरी होती रही है।

ऐसे में कंपनी की जमीन, भवन और आवासों की वास्तविक स्थिति का आकलन आर्थिक और प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। एनसीएलटी की कार्यवाही के बाद कंपनी की वित्तीय एवं प्रशासनिक व्यवस्था संभाल रहे प्रशासक के सामने परिसंपत्तियों का पूरा रिकॉर्ड तैयार करने की जिम्मेदारी भी है।

फिलहाल प्रबंधन का जोर जमीन और आवासों से जुड़े आंकड़ों को दुरुस्त करने तथा पूर्व में हुई कार्रवाई का विवरण जुटाने पर है। इस प्रक्रिया के पूरा होने के बाद अतिक्रमण और लीज उल्लंघन के मामलों में आगे की कार्रवाई की दिशा स्पष्ट हो सकेगी।

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

बनाना होगा स्वास्थ्य सुरक्षा का मजबूत कवच

महंगे इलाज और स्वास्थ्य बीमा के भारी प्रीमियम से मध्यमवर्गीय परिवारों पर बढ़ रहा आर्थिक बोझ, मेडिकल इमरजेंसी में 22 फीसदी परिवार गरीबी की दहलीज पर

निरोगी काया को मनुष्य के लिए पहला सुख यूं ही नहीं माना गया है। लेकिन नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) के सर्वे ने मध्यमवर्गीय परिवारों के चिकित्सा खर्च को लेकर जो तस्वीर पेश की है, वह चिंताजनक है। सर्वे के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि मेडिकल इमरजेंसी के कारण करीब 22 फीसदी परिवार गरीबी की दहलीज पर पहुंच रहे हैं। सरकारी स्तर पर मुफ्त जांच, दवाइयों और स्वास्थ्य बीमा योजनाओं की व्यवस्था के बावजूद यह स्थिति बताती है कि गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए इलाज को सस्ता और सुलभ बनाने की दिशा में अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

स्वास्थ्य और शिक्षा ऐसे क्षेत्र हैं, जिन पर किसी भी जनकल्याणकारी सरकार को प्राथमिकता के साथ काम करना चाहिए। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में ये दोनों क्षेत्र काफी हद तक निजी क्षेत्र के हवाले होते चले गए हैं। ऐसा नहीं है कि सरकार आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास नहीं कर रही है, लेकिन ये प्रयास जरूरत के मुकाबले अपर्याप्त हैं। दवाइयों की ऊंची कीमतों और महंगी चिकित्सकीय जांचों ने आम लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

बीमारी कभी बताकर नहीं आती। यह किसी को भी अपनी चपेट में ले सकती है। आर्थिक रूप से संपन्न लोग जरूरत पड़ने पर देश-विदेश में उपचार करा सकते हैं, लेकिन निम्न और मध्यम आयवर्ग के परिवारों के लिए स्वास्थ्य पर एक निश्चित सीमा से अधिक खर्च करना पूरे घरेलू बजट को बिगाड़ने जैसा है। महंगे अस्पतालों तक पहुंच भी समाज के एक सीमित वर्ग की ही है। स्वास्थ्य बीमा ने मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए इलाज की पहुंच कुछ आसान जरूर की है, लेकिन अब भी बहुत कम लोगों के पास बीमा सुविधा उपलब्ध है। बीमा कंपनियों के भारी प्रीमियम के कारण लोग स्वास्थ्य बीमा कराने से भी हिचकते हैं। बुजुर्गों के मामले में स्थिति और गंभीर है। बीमा कंपनियां या तो उनका बीमा करने से बचती हैं या फिर उनसे बहुत अधिक प्रीमियम वसूलती हैं। सरकारी और निजी, दोनों तरह की स्वास्थ्य बीमा योजनाओं में इलाज का पूरा खर्च वापस मिल पाना भी मुश्किल होता है। परिवार का कोई एक सदस्य गंभीर या लंबी बीमारी की चपेट में आ जाए तो दवाइयों, जांच और अस्पताल में भर्ती होने का खर्च इतना बढ़ जाता है कि पूरा परिवार कर्ज के बोझ तले दब जाता है। पिछले कुछ वर्षों में करोड़ों लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं, लेकिन चिकित्सा खर्च उन्हें दोबारा गरीबी की ओर धकेल सकता है।

ऐसे में सरकार को आर्थिक रूप से कमजोर और मध्यमवर्गीय परिवारों के स्वास्थ्य खर्च का बोझ कम करने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। स्वास्थ्य सुरक्षा कवच को मजबूत बनाते हुए ऐसी योजनाएं तैयार करनी होंगी, जिनसे दवाइयां, जांच और अस्पतालों में उपचार आम लोगों की पहुंच में रह सकें। खासतौर पर बुजुर्गों के लिए सस्ती और व्यापक स्वास्थ्य बीमा सुविधा सुनिश्चित करना जरूरी है। स्वास्थ्य सुरक्षा को केवल योजनाओं तक सीमित रखने के बजाय उसे हर नागरिक का सहज अधिकार बनाने की दिशा में प्रयास करना होगा।

आतंक की राह पकड़ने की वजहों पर हो प्रहार

कुलगाम में इसी महीने सीआरपीएफ जवानों पर हुए हमले में शामिल आतंकी लतीफ भट को मार गिराना सुरक्षा बलों की अहम कामयाबी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी लतीफ को कश्मीर घाटी में लश्कर-ए-तैयबा का अंतिम ज्ञात स्थानीय आतंकवादी बताते हुए इस उपलब्धि के लिए सुरक्षा बलों की सराहना की है। यह सच है कि पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षा बलों ने आतंकियों के नेटवर्क को कमजोर करने के लिए लगातार प्रयास किए हैं। इसी का नतीजा है कि सीमा पार से अपने आकाओं के निर्देश पर काम करने वाले स्थानीय आतंकियों और उनके मददगारों की संख्या में कमी आई है। हालांकि, चिंता की बात यह है कि कश्मीर घाटी में समय-समय पर स्थानीय युवा चरमपंथी संगठनों के बहकावे में आकर आतंकवाद का रास्ता अपना लेते हैं। जाहिर है कि युवाओं के भटकने की कोई एक वजह नहीं होती। बेरोजगारी, सीमा पार बैठे आतंकी संगठनों की ओर से किया जाने वाला ब्रेनवॉश और सोशल मीडिया के माध्यम से फैलाया जाने वाला दुष्प्रचार इसके प्रमुख कारण हैं। लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठन लंबे समय से युवाओं के मन में असंतोष, अलगाव और कट्टरता के बीज बोने का प्रयास करते रहे हैं। बाद में इन्हीं युवाओं के हाथों में हथियार थमा दिए जाते हैं। यह एक तरह का वैचारिक युद्ध है, जिसका समय रहते जवाब देना जरूरी है। कश्मीर के युवाओं के मन में यह धारणा भी बैठाने की कोशिश की जा रही है कि देश के दूसरे राज्यों से आने वाले लोग उनके रोजगार के अवसर छीन रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों में स्थानीय युवाओं को उनके क्षेत्र में ही रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराना जरूरी है। साथ ही, देश के दूसरे हिस्सों में भी उन्हें बेहतर रोजगार और आजीविका के अवसर मिलने चाहिए। यह इसलिए भी आवश्यक है, क्योंकि कट्टरपंथी ताकतों को मजबूती तब मिलती है, जब युवा उनके प्रभाव में आ जाते हैं। युवा अक्सर तब भटकाव का शिकार होते हैं, जब उन्हें भविष्य के लिए कोई बेहतर रास्ता नजर नहीं आता।

कश्मीर में पर्यटन, बागवानी, हस्तशिल्प, सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि आधारित उद्योग और स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश की जरूरत है। स्थानीय युवाओं को आसान शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराने के साथ कौशल प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए। खेल गतिविधियों को बढ़ावा देकर युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाया जा सकता है।

इसके साथ ही सीमा पार से मिलने वाले आतंकी समर्थन पर लगातार निगरानी रखने की जरूरत है। आतंकियों की वैचारिक, वित्तीय और तकनीकी मदद करने वाली पूरी श्रृंखला को तोड़ना होगा। उनके स्थानीय मददगारों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई जरूरी है। कश्मीर में शिक्षा, रोजगार और खेल के अवसर बढ़ाने के लिए सरकार और समाज दोनों को मिलकर काम करना होगा।

सुरक्षा बल आतंकियों की पहचान कर उनका खात्मा कर सकते हैं, लेकिन आतंकवाद की विचारधारा और उसके प्रभाव को समाप्त करने के लिए सामाजिक स्तर पर भी व्यापक प्रयास करने होंगे। युवाओं को बेहतर भविष्य, रोजगार और सम्मानजनक जीवन का भरोसा देकर ही उन्हें आतंकवाद के रास्ते पर जाने से रोका जा सकता है। आतंक के चेहरों को खत्म करने के साथ-साथ उन परिस्थितियों पर प्रहार करना भी जरूरी है, जो युवाओं को इस रास्ते पर जाने के लिए मजबूर करती हैं।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट से बाजार में हलचल

आंकड़ों पर नजर डालें तो सोना फिलहाल 14 महीने के निचले स्तर पर है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत भी लगातार फिसल रही है। चार लाख रुपये प्रति किलो के अभूतपूर्व स्तर पर पहुंचने के बाद चांदी करीब 1.60 लाख रुपये प्रति किलो तक आ गई है। इससे उन कारोबारियों को बड़ा झटका लगा है, जिन्होंने ऊंचे दामों पर खरीदारी कर लंबी पोजीशन बना रखी थी। चांदी की कीमतों में आई तेजी ने बाजार को सबसे अधिक चौंकाया था। इसकी वजह केवल निवेश की मांग नहीं, बल्कि औद्योगिक इस्तेमाल में लगातार हो रही बढ़ोतरी भी थी। इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरियों, सोलर पैनलों और मोबाइल फोन की चिप में चांदी का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है। इन क्षेत्रों में बढ़ती खपत ने इसकी मांग को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया।

मधुरेंद्र सिन्हा

सर्राफा बाजार में इन दिनों अजीब हलचल देखने को मिल रही है। सोने और चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट का दौर जारी है। सोना, जो कुछ समय पहले तक रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचकर कारोबारियों और ग्राहकों के लिए पहेली बना हुआ था, अब धीरे-धीरे अपनी चमक खो रहा है। ऐसे में सवाल उठने लगा है कि क्या सोने की कीमत मौजूदा सवा लाख रुपये प्रति दस ग्राम से गिरकर एक लाख रुपये तक पहुंच जाएगी? क्या यह कोरोना महामारी के बाद के दौर की कीमतों पर फिर उपलब्ध होगा?

आंकड़ों पर नजर डालें तो सोना फिलहाल 14 महीने के निचले स्तर पर है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत भी लगातार फिसल रही है। चार लाख रुपये प्रति किलो के अभूतपूर्व स्तर पर पहुंचने के बाद चांदी करीब 1.60 लाख रुपये प्रति किलो तक आ गई है। इससे उन कारोबारियों को बड़ा झटका लगा है, जिन्होंने ऊंचे दामों पर खरीदारी कर लंबी पोजीशन बना रखी थी।

चांदी की कीमतों में आई तेजी ने बाजार को सबसे अधिक चौंकाया था। इसकी वजह केवल निवेश की मांग नहीं, बल्कि औद्योगिक इस्तेमाल में लगातार हो रही बढ़ोतरी भी थी। इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरियों, सोलर पैनलों और मोबाइल फोन की चिप में चांदी का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है। इन क्षेत्रों में बढ़ती खपत ने इसकी मांग को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया। अंतरराष्ट्रीय सट्टेबाजों की सक्रियता ने भी कीमतों में तेजी को बढ़ावा दिया। भारत में सोने-चांदी पर लगने वाले करों ने भी इनकी कीमतों को प्रभावित किया। नतीजा यह हुआ कि चांदी इतनी महंगी हो गई कि आम आदमी के लिए इसे खरीदना मुश्किल हो गया। चांदी के सिक्के उपहार में देने की परंपरा भी महंगाई की भेंट चढ़ने लगी। हालांकि, बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य बात है। यही वजह है कि रिकॉर्ड तेजी के बाद अब दोनों बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है।

यहां उल्लेखनीय है कि अप्रैल-मई के दौरान सोने के भारी आयात के कारण देश का व्यापार संतुलन प्रभावित हुआ था। इसी को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से अनावश्यक खर्च से बचने और जरूरत नहीं होने पर सोना नहीं खरीदने की अपील की थी। प्रधानमंत्री के अनुसार, उनके इस आह्वान का असर अब सोने की कीमतों में आई गिरावट के रूप में दिखाई दे रहा है। मई में जब प्रधानमंत्री ने यह अपील की थी, तब दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,500 रुपये प्रति दस ग्राम थी। वहीं, 21 नवंबर को यह घटकर 1,25,230 रुपये प्रति दस ग्राम रह गई। यह गिरावट उल्लेखनीय है।

सोने-चांदी की कीमतों में पहले आई तेजी के पीछे अमेरिका-ईरान युद्ध और अमेरिकी अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव भी प्रमुख कारण रहे। सोने को हमेशा संकट के समय सुरक्षित निवेश का माध्यम माना जाता है। युद्ध, प्राकृतिक आपदा, महामारी और आर्थिक संकट जैसी परिस्थितियों में निवेशक सोने की ओर रुख करते हैं। दुनिया भर के केंद्रीय बैंक भी अपनी आर्थिक जरूरतों के अनुसार सोने की खरीद-बिक्री करते रहते हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें प्रभावित होती हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी चरणबद्ध तरीके से सोने की खरीदारी की है।

दूसरी ओर, चांदी की कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी के पीछे औद्योगिक मांग प्रमुख कारण रही। इलेक्ट्रिक वाहनों और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में इसका इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। चीन, जो दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा चांदी उत्पादक देश है, समय-समय पर इसके उत्पादन पर अंकुश लगाता रहा है। इससे भी बाजार में आपूर्ति और कीमतों पर असर पड़ता है।

अब सवाल है कि क्या सोना एक लाख रुपये प्रति दस ग्राम तक पहुंच सकता है? विशेषज्ञों का मानना है कि सोने की कीमतों का सटीक अनुमान लगाना मुश्किल है, क्योंकि यह अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों पर निर्भर करती है। अमेरिका में ब्याज दरों और डॉलर की मजबूती का सोने की कीमतों पर सीधा असर पड़ता है। एक विश्लेषक के अनुसार, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की सख्त मौद्रिक नीति की संभावना से सोने के दाम गिर रहे हैं।

क्या वाकई एआइ छीन लेगा हमारा हुनर और हमें पछाड़ देगा?

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) नुकसान भी पहुंचा सकता है और फायदा भी। लेकिन आज लोग अपनी सुविधाओं और आराम के लिए तेजी से तकनीक पर निर्भर होते जा रहे हैं। उन्हें अपने जटिल कामों का तुरंत समाधान चाहिए। यही वजह है कि इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों से लेकर रोजमर्रा के इस्तेमाल के उपकरणों तक में एआइ को शामिल किया जा रहा है।

डॉ सचिन बत्रा

गौरतलब है कि मोबाइल और टीवी के बाद अब सैमसंग कंपनी बिक्सबी और नॉक्स जैसी तकनीकों का जेमिनी के साथ एकीकरण कर रही है। इसके जरिए फ्रिज, एसी और लॉन्ड्री उपकरणों में एआइ और एल्गोरिदम की मदद से खाना बनाने में सहायता, घरेलू नोट्स तैयार करने और विभिन्न तरह के अलर्ट देने जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। इसी तरह एलजी अपनी एआइ होम रणनीति के तहत थिंकक्यू इकोसिस्टम के माध्यम से घरेलू उपकरणों को रोबोट से जोड़ने पर काम कर रही है। इसका उद्देश्य घरेलू उपकरणों को स्वचालित और उपयोगकर्ता की जरूरत के अनुसार काम करने में सक्षम बनाना है।

अमेरिका में अमेजन एस्ट्रो ऐसा घरेलू रोबोट है, जो कैमरों की मदद से घर की निगरानी करता है। यह परिवार के सदस्यों के साथ संवाद कर सकता है और किसी संदिग्ध स्थिति में संबंधित व्यक्ति को रिपोर्ट दे सकता है। इसी तरह आइरोबोट कंपनी के रोबोटिक वैक्यूम क्लीनर गंदगी की पहचान कर सफाई करते हैं और पिछली सफाई से संबंधित आंकड़े भी सुरक्षित रखते हैं।

रे-बैन के स्मार्ट चश्मे भी तकनीक के नए इस्तेमाल का उदाहरण हैं। ये कई भाषाओं में संवाद करने, सलाह देने, वीडियो बनाने और अनुवाद जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं। गूगल मैप की तरह रास्ता दिखाने में भी इनका इस्तेमाल किया जा सकता है। एलजी का क्लॉइड ह्यूमनॉइड रोबोट घरेलू कामकाज, कपड़े व्यवस्थित करने और सामान सहेजने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। चीन की यूनिट्री रोबोटिक्स ने भी ऐसा रोबोटिक डॉग विकसित किया है, जो सेंसर और निगरानी तकनीक के माध्यम से निरीक्षण सहित कई काम करने में सक्षम है।

दिलचस्प बात यह है कि ब्रिटेन और यूरोप के फैशन बाजारों में अब निजता की सुरक्षा के लिए एडवर्सरियल क्लोदिंग यानी पहचान सुरक्षा वाले कपड़े भी लोकप्रिय हो रहे हैं। अर्बन प्राइवेसी कंपनी का दावा है कि उसके कपड़े सार्वजनिक स्थानों पर चेहरे की पहचान करने वाले सीसीटीवी कैमरों को चकमा देने में सक्षम हैं। वहीं, कैपेबल कंपनी के कपड़े एआइ कैमरों को गुमराह करने के लिए तैयार किए गए हैं। ऐसे उत्पादों का इस्तेमाल लोग अपनी निजता की रक्षा के साथ-साथ भेदभाव जैसी चुनौतियों से बचने के लिए भी कर रहे हैं।

भारत में भी एआइ का इस्तेमाल शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहा है। विद्यार्थियों को आसानी से शिक्षा उपलब्ध कराने और उनके सवालों का जवाब देने के लिए आइआइटी मद्रास ने 'बोधन' नामक एआइ चैटबॉट तैयार किया है। इसके माध्यम से विद्यार्थी कहीं भी रहकर पढ़ाई में मदद ले सकते हैं। शिक्षण की गुणवत्ता और कौशल विकास के लिए शिक्षकों को भी एआइ के इस्तेमाल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इतना ही नहीं, एआइ ने किताबों को भी संवाद करने वाला शिक्षक बना दिया है। बुक कंपैनियन, सिनाइ एआइ, ऑडिबल, किंडल और आइ चैट बुक जैसे समाधान किताबों की सामग्री से संवाद करने की सुविधा देते हैं।

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क का मानना है कि भविष्य में एआइ इशारों पर काम करने में सक्षम होगा और मनुष्य को कई तरह के कामों से मुक्ति मिल जाएगी। उनका तर्क है कि इससे इंसानों के काम करने का तरीका बदल जाएगा। आज जो सामान्य कार्य हम दिनभर करते हैं, उनमें से कई एआइ के हवाले हो सकते हैं। हालांकि, ऐसी स्थिति में मनुष्यों की भूमिका निगरानी और नियंत्रण तक सीमित हो सकती है।

इन तकनीकी चमत्कारों के बीच कई गंभीर सवाल भी खड़े हो रहे हैं। क्या हमारे घरों में काम करने वाले रोबोट हमारी जासूसी कर सकते हैं? क्या वे हमारी निजता और दैनिक गतिविधियों का रिकॉर्ड किसी अन्य के हाथों में पहुंचा सकते हैं? क्या तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता से हम अपने प्राकृतिक कौशल और काम करने की क्षमता खो देंगे?

दरअसल, एआइ जितनी तेजी से हमारे जीवन का हिस्सा बन रहा है, उतनी ही तेजी से इससे जुड़ी आशंकाएं भी बढ़ रही हैं। जब तक एआइ आधारित उपकरणों को मजबूत सुरक्षा मानकों और निजता की गारंटी के साथ विकसित नहीं किया जाता, तब तक उन पर पूरी तरह भरोसा करना मुश्किल होगा। जरूरत इस बात की है कि तकनीक का इस्तेमाल मानवीय क्षमता को बढ़ाने के लिए हो, न कि उसे कमजोर करने के लिए। एआइ की असली सफलता तभी होगी, जब वह सुविधा के साथ सुरक्षा और मानवीय कौशल का भी संरक्षण कर सकेगा।

कर्म सिद्धांत में छिपा जीवन का परम सत्य

चिंतन-मनन

प्रारब्ध और पुरुषार्थ के बीच संघर्ष मानव जीवन का ऐसा सनातन सत्य है, जिससे शायद ही कोई व्यक्ति अछूता रहता हो। जीवन में कभी परिस्थितियां हमारी अपेक्षाओं के अनुकूल होती हैं तो कभी तमाम प्रयासों के बावजूद सफलता हमसे दूर दिखाई देती है। ऐसे में मनुष्य के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि मनुष्य के जीवन की दिशा भाग्य निर्धारित करता है अथवा उसके अपने कर्म और प्रयास? भारतीय दर्शन इस प्रश्न का उत्तर प्रारब्ध और पुरुषार्थ के संतुलित समन्वय में खोजता है। प्रारब्ध जहां मनुष्य को प्राप्त परिस्थितियों और पूर्व कर्मों के फल का बोध कराता है, वहीं पुरुषार्थ उन परिस्थितियों के बीच अपनी राह बनाने की इच्छाशक्ति, कर्मठता और संकल्प का परिचायक है। सनातन चिंतन में धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष को जीवन के चार पुरुषार्थ कहा गया है। इनका उद्देश्य केवल भौतिक उपलब्धियां अर्जित करना नहीं, बल्कि मनुष्य को नैतिकता, संतुलन और आत्मिक उन्नति की दिशा में अग्रसर करना है। भारतीय कर्म दर्शन में संचित कर्म पूर्व में अर्जित कर्मों का संग्रह है, प्रारब्ध उसके उस भाग को माना जाता है जिसका फल वर्तमान जीवन में प्राप्त हो रहा है, जबकि क्रियमाण कर्म वर्तमान में किए जा रहे प्रयासों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस दृष्टि से मनुष्य का वर्तमान केवल परिस्थितियों की देन नहीं, बल्कि उसके आज के कर्म भी भविष्य की संभावनाओं का निर्माण करते हैं। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण का अर्जुन को दिया गया उपदेश इस जीवन दर्शन का सबसे प्रभावशाली आधार है :

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि॥

अर्थात मनुष्य का अधिकार कर्म करने में है, उसके फल पर नहीं। उसे न तो फल की आसक्ति में बंधना चाहिए और न ही परिणाम की चिंता में अपने कत्र्तव्य से विमुख होना चाहिए। गीता का यह संदेश भाग्यवाद को प्रोत्साहित नहीं करता, बल्कि मनुष्य को कर्म के प्रति निष्ठावान और परिणामों के प्रति समभाव रखने की प्रेरणा देता है। हालांकि जीवन की प्रत्येक असफलता को व्यक्ति के कमजोर प्रयासों का परिणाम मानना भी उचित नहीं है। बेरोजगारी, आर्थिक विषमता, प्राकृतिक आपदाएं, बीमारी और अवसरों की असमान उपलब्धता जैसी परिस्थितियां मनुष्य की क्षमता और परिश्रम को प्रभावित करती हैं। ऐसे में केवल भाग्य अथवा व्यक्तिगत प्रयासों के आधार पर किसी के जीवन का मूल्यांकन करना संवेदनहीनता होगी।

आपके पत्र

संसद सत्र को लेकर नया रिकार्ड

भारतीय संसदीय इतिहास में 21 नवंबर 2026 की तारीख एक अलग वजह से दर्ज हो गई। संसद का मानसून सत्र समाप्त हुए बिना ही 100 दिन की अवधि पार कर गया। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी, लेकिन राष्ट्रपति की ओर से अब तक औपचारिक सत्रावसान की अधिसूचना जारी नहीं हुई। इस प्रकार संसद का मानसून सत्र पिछले 87 दिनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए एक नए ऐतिहासिक पड़ाव पर पहुंच गया। वर्ष 2008 में संसद का एक सत्र 87 दिनों तक औपचारिक रूप से समाप्त नहीं हुआ था।

इस बार यह अवधि 100 दिनों तक पहुंच गई है। पहली नजर में यह स्थिति सामान्य संसदीय परंपरा से अलग दिखाई देती है। आमतौर पर संसद का कोई सत्र समाप्त होने के बाद राष्ट्रपति द्वारा सत्रावसान की घोषणा की जाती है।

बालकृष्ण शर्मा, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं को मिलेगी बेहतर शैक्षणिक सुविधा



साहिबगंज : जिले के छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर शैक्षणिक सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक नई पहल की गई है।शहर के कॉलेज रोड स्थित पाइप रोड में आरएमसी साहिबगंज क्लासेस का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान,साहिबगंज कॉलेज के प्राचार्य डॉ.रणजीत कुमार सिंह एवं बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष प्रेमनाथ तिवारी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर कोचिंग संस्थान का उद्घाटन किया।इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर धनंजय यादव ने मुख्य अतिथियों को बुके एवं अंग वस्त्र देकर स्वागत किया।कार्यक्रम में शहर के गणमान्य लोगों के साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।इस मौके पर नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान ने संस्थान के शुभारंभ पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि शिक्षा किसी भी समाज और क्षेत्र के विकास की सबसे मजबूत नींव है।स्थानीय स्तर पर इस प्रकार के शैक्षणिक संस्थानों की शुरूआत से विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।वहीं साहिबगंज कॉलेज के प्राचार्य डॉ.रणजीत कुमार सिंह एवं बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष प्रेमनाथ तिवारी ने भी संस्थान के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और नियमित मेहनत करने का संदेश दिया।वही संस्थान के डायरेक्टर राज सर ने कहा कि आरएमसी साहिबगंज क्लासेस शुरू करने का मुख्य उद्देश्य जिले के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर मार्गदर्शन एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है।अक्सर देखा जाता है कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए साहिबगंज के विद्यार्थियों को दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर बेहतर शैक्षणिक व्यवस्था उपलब्ध होने से विद्यार्थियों को काफी सहूलियत मिलेगी।संस्थान में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं को उनकी जरूरत के अनुसार मार्गदर्शन देने का प्रयास किया जाएगा।वहीं संस्थान प्रबंधन की ओर से साहिबगंज जिले के विद्यार्थियों के लिए विशेष नामांकन छूट की घोषणा भी की गई है।इसके तहत 30 नवंबर 2026 तक मात्र 3,000 रुपये में नामांकन कराने का विशेष अवसर दिया जा रहा है।संस्थान प्रबंधन ने जिले के अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है। मौके पर शिव नाथ सिंह,रितेश कुमार,रामेश्वरम,बैधनाथ सिंह,सुनील साह सहित अन्य लोग मौजूद थे।

बजरंगबली मंदिर में 108 दीप प्रज्वलित करके 11 किलो लड्डू चढ़ाया



साहिबगंज: कार्तिक पूर्णिमा व देव दीपावली के पावन अवसर पर शहर के सब्जी मंडी स्थित काली पूजा महावीर समिति की ओर से सब्जी मंडी स्थित काली स्थान समीप ओर शिव पार्वती व बजरंगबली मंदिर में देव दीपावली पर 108- 108 दीपक प्रज्वलित करके 11 किलो लड्डू, बेसन का लड्डू, पेड़ा ओर बताशा का भोग लगाकर देव दीपावली मनाया गया। वैदिक मंत्रोचारण के साथ विधिवत रूप से दीप प्रज्वलित कर के पूजन व आरती करके लड्डू का भोग लगाया गया ओर श्रद्धालुओं के बीच लड्डू भोग प्रसाद का वितरण किया गया। मौके पर आकाश, सोहन, सचिन, शिवम, मनोज पासवान, माणिक पासवान, आशीष सहित अन्य थे।

दनुआ घाटी हादसे में सात मौतों के बाद एनएचएआई सख्त, कंसल्टेंट से मांगी रिपोर्ट

बरही : राष्ट्रीय राजमार्ग-19 की दनुआ घाटी में 9 नवंबर को हुए भीषण सड़क हादसे में सात लोगों की मौत के मामले में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने संज्ञान लिया है। मुस्लिम आवामी तंजीम ट्रस्ट के सचिव मो इसरार अंसारी की जनशिकायत पर एनएचएआई की हजारीबाग परियोजना कार्यान्वयन इकाई ने कंसल्टेंट एजेंसी थीम इंजीनियरिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट और कार्रवाई प्रतिवेदन मांगा है। इस संबंध में परियोजना निदेशक ने 19 नवंबर 2026 को पत्र जारी किया है।

सचिव मो. इसरार अंसारी ने 9 नवंबर को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के जनशिकायत पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें हादसे के बाद एंबुलेंस पहुंचने में कथित देरी, शव वाहन की अनुपलब्धता और सड़क सुरक्षा की खामियों को प्रमुखता से उठाया गया था।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि एंबुलेंस की देरी के कारण दो घायलों की रास्ते में मौत हुई। वहीं, पांच शवों को खुले पिकअप वाहन से पोस्टमार्टम के लिए ले जाने का भी आरोप लगाया गया है। इसके अलावा चोरदाहा-गोरहर सड़क खंड में अधूरे निर्माण और दनुआ घाटी के सुरक्षा प्रस्ताव लंबित रहने पर सवाल उठाए गए हैं। ट्रस्ट की ओर से संबंधित एजेंसियों पर कार्रवाई, घटना के समय की सीसीटीवी फुटेज और एंबुलेंस के जीपीएस रिकॉर्ड की जांच तथा दनुआ घाटी में स्थायी उन्नत जीवन रक्षक एंबुलेंस तैनात करने की मांग की गई है। एनएचएआई ने अपने पत्र की प्रति क्षेत्रीय कार्यालय रांची और शिकायतकर्ता को भी भेजी है। अब कंसल्टेंट की तथ्यात्मक रिपोर्ट और कार्रवाई प्रतिवेदन का इंतजार है। शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही होगी। संबंधित एजेंसियों का पक्ष भी सामने आना बाकी है।

बरकट्ठा प्रखंड को मिला 2941 कंबल, वृद्ध व असहायों को मिलेगी राहत

बरकट्ठा : प्रखंड क्षेत्र में पड़ रही ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से गरीब वह असहयों को वितरण हेतु 2941 कंबल उपलब्ध कराये गये हैं।इस निमित प्रखंड कार्यालय के प्रधान लिपिक फनी भूषण प्रसाद ने बताया कि सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत प्राप्त कंबल को सभी पंचायतों में वितरित कराया जाना है। जिसको लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा पत्र निर्गत कर सभी पंचायत सचिव को कंबल ले जाने का निर्देश दिया गया है।

हजारीबाग में नरसिंह स्थान मेले में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, लोगों ने जमकर की ईख की खरीदारी

संवाददाता

हजारीबाग : कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर हजारीबाग में मंगलवार को ऐतिहासिक नरसिंह स्थान में मेला का आयोजन किया गया। इस मेला को केतारी मेला के नाम से भी जाना जाता है। यह मेला सदियों पुरानी धार्मिक परंपरा, आध्यात्मिक चेतना और अटूट लोक आस्था का केंद्र है।

यह मेला धार्मिक महत्व के साथ किसानों के लिए भी बेहद खास होता है। ईख की खेती करने वाले किसान यहां बाजार गाते हैं। केतारी मेला में हजारीबाग से ही नहीं, बल्कि दूसरे जिलों से भी किसान यहां पहुंचते हैं। मान्यता यह है कि हर एक व्यक्ति जो इस मंदिर परिसर में आता है वह ईख प्रसाद स्वरूप अपने घर ले जाता है। यही कारण है कि यहां ईख की बिक्री खूब होती है।

हजारीबाग की पहचान केवल प्राकृतिक सुंदरता, जंगलों और पहाड़ियों तक सीमित नहीं है। यहां अनेक ऐसे धार्मिक स्थल हैं, जिनकी ऐतिहासिक और आध्यात्मिक पृष्ठभूमि व्यापक है। नरसिंह स्थान उनमें एक विशिष्ट स्थान रखता है। दामोदर मिश्र की तपस्या से जुड़ी जनश्रुतियां, महामाया का दरबार, भगवान नरसिंह का दुर्लभ शिलाविग्रह, शिवालय और समीप बहती



कोनार नदी इस स्थल को धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बनाती है।

450 सालों से मेले का हो रहा आयोजन

पिछले 450 वर्षों से कार्तिक पूर्णिमा के दिन यहां मेले का आयोजन होते आ रहा है। यहां भगवान विष्णु के अवतार भगवान नृसिंह की प्राचीन प्रतिमा स्थापित है, जो काले रंग के ग्रेफाइट पत्थर की बनी है। गर्भ गृह में शिव के साथ भगवान विष्णु के विराजमान रहने से इस स्थान का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। यह स्थान वैष्णव और शिव भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करता है। मंदिर की स्थापना 1632 ईस्वी में पंडित दामोदर मिश्र ने की थी।

लोगों की आस्था का केंद्र है नृहसिंह स्थान

इस मंदिर के प्रति स्थानीय लोगों के साथ राजनेताओं और पदाधिकारियों का भी अटूट विश्वास है। यही कारण है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन राजनेता, पदाधिकारी आम जनता के साथ पूजा कर नृसिंह बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल और एसपी ने मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। इस मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि यह मेला ऐतिहासिक है। वहीं हजारीबाग के एसपी अमन कुमार ने कहा कि बाबा का आशीर्वाद लेने के लिए आए हैं। साथ ही सुरक्षा का मुआयना किया जा रहा है।

1632 में हुई थी मंदिर की स्थापना

बताते चलें कि हजारीबाग के नृसिंह मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। मंदिर की स्थापना 1632 ईस्वी में पंडित दामोदर मिश्र ने की थी। वो संस्कृत और ज्योतिष के विद्वान होने के साथ-साथ तांत्रिक भी थे। कहा जाता है कि देवी के उपासक पंडित दामोदर मिश्र ने स्वप्न देखा था कि नेपाल के काक भूसारी पर्वत में भगवान नरसिंह के प्रतिमा है। जब पंडित दामोदर मिश्र वहां गए और उन्होंने अपने स्वप्न में देखे हुए जगह की तलाश की, तो उन्हें वह मूर्ति मिली। पाषाण कालीन मूर्ति को हजारीबाग के खपरियांवा मंदिर में स्थापित किया गया, जो नरसिंह स्थान के रूप में जाना जाने लगा।

अभियुक्तों ने स्वीकारोक्ति बयान अपराध को किया स्वीकार



संवाददाता

साहिबगंज : जिले के राधानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत एमडीएमए ड्रग जैसा पदार्थ के साथ दो लोगों को गिरफ्तार करने में पुलिस ने सफलता हासिल की है। मंगलवार को राजमहल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विमलेश कुमार त्रिपाठी अपने कार्यालय कक्ष में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि साहिबगंज पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह को सुबह गुप्त सूचना प्राप्त हुआ कि राधानगर थाना क्षेत्र के चामाग्राम केलभेट पूर्वी उधवा दियारा के पास मोटरसाइकिल में सवार दो व्यक्ति नशीले पदार्थ का खरीद बिक्री कर रहा है। सूचना का सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक साहिबगंज के द्वारा उधवा अंचलाधिकारी अशिष कुमार मंडल के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। विशेष छापामारी दल के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए अमीर शेख उम्र 48 वर्ष, पिता स्व० हाजी गयासुद्दीन शेख, साकिन अमानत, थाना राधानगर, जिला साहिबगंज के पहने हुए जैकेट के बांए पॉकेट से एक पारदर्शी जिप प्लास्टिक में एमडीएमए ड्रग जैसा पदार्थ जिसका प्लास्टिक सहित वजन करीब 12.38 ग्राम बरामद किया।करीम शेख उम्र 37 वर्ष, पिता स्व. अताउर शेख, साकिन अमानत मजीद टोला, थाना राधानगर, जिला साहिबगंज के पहने हुए जीन्स पैन्ट के पीछे वाले पॉकेट में रखे पर्स से करीब 5.01 ग्राम एमडीएमए ड्रग जैसा पदार्थ को अंचलाधिकारी उधवा के समक्ष बरामद किया गया। दोनों गिरफ्तार अभियुक्तों ने अपराध स्वीकारोक्ति बयान में अपने अपराध को स्वीकार किया है। इस संबंध में राधानगर थाना कांड संख्या 407/26, धारा- 21 (सी)/27/29 एनडीपीएस एक्ट दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है। दोनों गिरफ्तार प्राथमिकी अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। मौके पर छापामारी दल में राधानगर थाना प्रभारी रोहित कुमार, पुअनि संग्राम सिंह सोय, पुअनि अखिलेश सिंह, सअनि प्रभा शंकर दुबे, सअनि सुनिल कुमार मेहता, सअनि शशिकांत यादव सहित अन्य उपस्थित थे।

1100 दीपों से जगमगाया मुक्तेश्वर धाम सीढ़ी घाट, मां गंगा की हुई आरती

संवाददाता

साहिबगंज : कार्तिक पूर्णिमा देव दीपावली के पावन अवसर पर मंगलवार की संध्या को स्थानीय मुक्तेश्वर धाम सीढ़ी घाट स्थित गंगा तट पर मां गंगा सेवा समिति साहिबगंज की ओर से भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया।वर्ष 2011 से प्रत्येक माह पूर्णिमा तिथि पर निरंतर आयोजित हो रही इस आरती की परंपरा के तहत इस बार भी विशेष धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन किया गया।इस अवसर पर सीढ़ी घाट को 1100 दीपों से सजाया गया।दीपों की जगमग रोशनी से पूरा गंगा तट आलोकित हो उठा।वहीं, आकर्षक रंगोली और भक्तिमय गंगा गीतों ने वातावरण को और भी मनमोहक बना दिया।संध्या 5:30 बजे शुरू हुए इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर मां गंगा की आराधना की।कार्यक्रम का शुभारंभ पुरोहित पंडित धनेश तिवारी एवं पंडित वेदानन्द पाण्डेय द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां गंगा के विधिवत पूजन-अर्चन से किया



गया। इसके बाद 1100 दीप प्रज्ज्वलित कर मां गंगा की भव्य आरती उतारी गई।इस दौरान पूरा गंगा तट दीपों की रोशनी से जगमगा उठा।श्रद्धालुओं ने जय मां गंगे,हर-हर गंगे और हर-हर महादेव के जयकारों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।उपस्थित श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मां गंगा की आराधना की।आरती के समापन के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया।इस धार्मिक आयोजन में मां गंगा सेवा समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार पाण्डेय के साथ शशि कुमार सुमन जगन्मय मिश्रा, आभाष ओझा,अमित केसरी,संदीप अवस्थी,स्वरूप चटर्जी,सिद्धार्थ कुमार,गणेश तिवारी जगदीश नरसरिया,सुशील भारतीय,मनीष दिवान रोहित कुमार,सुदर्शन कुमार, घनश्याम मंडल,चंदन कुमार,अनीश कुमार सहित समिति के अन्य सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

कार्तिक पूर्णिमा पर कबीर आश्रम में एक दिवसीय सत्संग और भंडारे का आयोजन



साहिबगंज : शहर के गांधी चौक स्थित कबीर आश्रम में कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर एक दिवसीय सत्संग एवं भंडारे का आयोजन श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण में किया गया।इस अवसर पर आसपास के राज्यों से पहुंचे संत-महात्माओं,साधु-संतों,साध्वियों एवं श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम के दौरान विभिन्न स्थानों से आए संत-महात्माओं एवं वक्ताओं ने अपने-अपने आध्यात्मिक ज्ञान,अनुभव और विचारों के माध्यम से उपस्थित श्रद्धालुओं को सत्संग का श्रवण कराया।उन्होंने मानव जीवन में सत्संग, सदाचार,प्रेम,भक्ति और सेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए लोगों को धर्म एवं आध्यात्मिकता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।सत्संग के उपरांत श्रद्धालुओं के बीच भंडारे का आयोजन किया गया,जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे आश्रम परिसर में भक्ति और आध्यात्मिकता का माहौल बना रहा।

लाभुकों के बीच स्वीकृति आदेश और प्रशस्ति पत्र का वितरण

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़ा-2026 के अवसर पर निर्धारित कार्यक्रम के तहत आज साहिबगंज प्रखंड सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री बासुकीनाथ टुडू की उपस्थिति में विभिन्न पंचायतों से पहुंचे लाभुकों एवं ग्रामीणों के बीच विभिन्न सरकारी योजनाओं के स्वीकृति आदेश वितरित किए गए। साथ ही पखवाड़ा के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले लाभुकों एवं कर्मियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। जबकि प्रधानमंत्री आवास योजना के



लाभुकों को गृह प्रवेश कार्यक्रम के तहत बधाई पत्र निर्गत कर उन्हें अपने नए आवास में प्रवेश की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम का उद्देश्य सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक पहुंचाना, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा बेहतर कार्य करने वाले कर्मियों एवं लाभुकों का उत्साहवर्धन करना रहा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी ने सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया। जिसमें मुख्य रूप से प्रखंड अध्यक्ष श्री अमरदीप, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी श्री शंकर कुमार, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी श्री तपन, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी श्री राजेश कुमार, कंप्यूटर ऑपरेटर सहित विभिन्न पंचायतों के मुखिया, जनप्रतिनिधि तथा प्रखंड एवं पंचायत स्तर के कर्मी उपस्थित रहे।

कार्तिक पूर्णिमा पर गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व मनाया गया

संवाददाता

साहिबगंज : सिख धर्म के प्रथम गुरु एवं महान आध्यात्मिक संत श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर मंगलवार को कार्तिक पूर्णिमा के दिन साहिबगंज के बाटा रोड स्थित गुरुद्वारा में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। इस अवसर पर आयोजित भव्य लंगर में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर गुरु का प्रसाद ग्रहण किया। गुरुद्वारा परिसर में दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही और पूरा वातावरण वाहेगुरु के जयकारों से भक्तिमय रहा।प्रकाश पर्व के अवसर पर सिख समाज की ओर से भव्य लंगर का आयोजन किया गया। इसमें सरदार आनंद गोपाल सिंह, जसवीर सिंह, जगजीत सिंह, हरपाल सिंह, रवि अजमानी, प्रीत कौर, निक्की कौर,



बलजीत कौर सहित समाज के अनेक लोगों ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया। श्रद्धालुओं को प्रेम और सम्मान के साथ लंगर परोसा गया। खास बात यह रही कि लंगर में बिना किसी भेदभाव के हर वर्ग और समुदाय के लोगों ने एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। गुरु नानक देव जी ने पूरी दुनिया को मानवता, प्रेम, समानता, भाईचारे और सेवा का संदेश दिया। उन्होंने जाति-पाति, ऊंच-नीच और धार्मिक भेदभाव से ऊपर उठकर इंसानियत को सबसे बड़ा धर्म बताया। उनकी शिक्षाओं में 'नाम जपो, किरत करो और वंड छको' अर्थात ईश्वर का स्मरण करो, ईमानदारी से मेहनत करो और मिल-बांटकर खाओ का विशेष महत्व है। बाटा रोड गुरुद्वारा में आयोजित लंगर इसी महान परंपरा का जीवंत उदाहरण बना। हजारों लोगों की सहभागिता ने यह संदेश दिया कि गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं आज भी समाज को एकता और मानव सेवा के सूत्र में बांध रही हैं। प्रकाश पर्व का यह आयोजन श्रद्धा के साथ-साथ सामाजिक एकता और भाईचारे की खूबसूरत मिसाल बन गया।

देश के विकास के लिए जरूरी महिला सशक्तिकरण: रश्मिका मंदाना



भारत की नंबर 1 हीरोइन रश्मिका मंदाना ने हाल ही में पुट्टपर्थी के प्रशांति निलयम स्थित साई कुलवंत हॉल में भगवान श्री सत्य साईं बाबा की 101वीं जयंती के अवसर पर आयोजित महिला दिवस समारोह में लोगों को संबोधित किया। महिलाओं के सशक्तिकरण के महत्व पर बात करते हुए अभिनेत्री ने महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों, उनके लिए अवसर पैदा करने और देश के निर्माण में उनके योगदान पर अपने विचार साझा किए। रश्मिका ने कहा कि आज महिलाएं अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रही हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं को सशक्त बनाना सिर्फ एक सामाजिक जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि देश की तरक्की के लिए भी बेहद जरूरी है।

महिलाओं को अपने सपनों को पूरा करने के दौरान जिन उम्मीदों और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, उस पर बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं उस पीढ़ी की महिलाओं में से हूं, जिन्हें बड़े सपने देखने के लिए कहा जाता है, बहुत बड़े सपने देखने के लिए। लेकिन साथ ही हमें अपने सपनों को समझाना पड़ता है, अपने फैसलों को सही साबित करना पड़ता है और बार-बार यह साबित करना पड़ता है कि हम जिस मौके के हकदार हैं, वह हमें मिलना चाहिए। अपने अनुभवों और आगे बढ़ते रहने के महत्व पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, ह्लमैं जानती हूं कि अपनी लड़ाइयां खुद लड़ने का क्या मतलब होता है, लोगों के फैसलों और आलोचनाओं का सामना करना कैसा होता है। और जब आगे का रास्ता साफ न हो, तब भी आगे बढ़ते रहने का क्या मतलब होता है।ह्व अभिनेत्री ने अलग-अलग क्षेत्रों और नेतृत्व की भूमिकाओं में भारतीय महिलाओं की बढ़ती मौजूदगी की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि महिलाएं पुरानी बाधाओं को तोड़ रही हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए नए रास्ते बना रही हैं। उन्होंने कहा, आज भारतीय महिलाएं हर जगह उन क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं, जिन्हें कभी उनके लिए मुश्किल या नामुमकिन माना जाता था। हम महिलाओं को बिजनेस का नेतृत्व करते हुए, सेना में सेवा करते हुए, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में काम करते हुए, राजनीति और प्रशासन में हिस्सा लेते हुए, उद्यमी, खिलाड़ी, अभिनेत्री, कलाकार और फैसले लेने वाली बनते हुए देख रहे हैं। महिलाओं की तरक्की को देश के विकास से जोड़ते हुए रश्मिका ने कहा, इसलिए महिला सशक्तिकरण सिर्फ एक अलग सामाजिक उद्देश्य नहीं है, बल्कि देश के विकास का एक जरूरी हिस्सा है। उन्होंने भगवान श्री सत्य साईं बाबा की शिक्षाओं और समाज को बेहतर बनाने में महिलाओं की रोजमर्रा की भूमिका पर भी बात की।

इस हफ्ते ओटीटी पर मचेगा धमाल,हनुमान अंश सेढाई चाल तक रिलीज होंगी ये फिल्में और सीरीज

सिनेमाघरों में इन दिनों फिल्मों को लेकर खूब हलचल है। बड़े पर्दे पर एक तरफ रामायण की चर्चा है, तो दूसरी तरफ धनुष और साई पल्लवी की फिल्म ओम भी दर्शकों के बीच पहुंच चुकी है। लेकिन अगर आप थिएटर जाने के बजाय घर बैठे मनोरंजन का मजा लेना चाहते हैं, तो इस हफ्ते आपके लिए ओटीटी पर भी काफी कुछ खास आने वाला है। नवंबर का आखिरी हफ्ता कई दिलचस्प कहानियों, नए किरदारों और अलग-अलग जॉनर की फिल्मों और सीरीज के नाम रहने वाला है।

हनुमान अंशइस हफ्ते की सबसे चर्चित रिलीज में हनुमान अंशशामिल है। सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन करने के बाद अब यह फिल्म डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पहुंचने के लिए तैयार है। खास बात यह है कि बेहद कम बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद से कहीं ज्यादा कमाई की। करीब दो करोड़ रुपए के बजट में तैयार हुई इस फिल्म ने सिनेमाघरों में लगभग तीन महीने तक दर्शकों को अपनी ओर खींचे रखा और 342.74 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया।

फिल्म की कहानी नीम करौली बाबा के जीवन से प्रेरित है। यह



एक आध्यात्मिक बायोपिक ड्रामा है, जिसमें आस्था, विश्वास और आध्यात्मिक अनुभवों से जुड़ी घटनाओं को पर्दे पर उतारा गया है। अब दर्शक इसे 27 नवंबर से सोनी लिव पर देख सकेंगे।

ढाई चाल: अगर आपको राजनीति और छात्र जीवन से जुड़ी कहानियां पसंद हैं, तो ढाई चाल आपके लिए परफेक्ट है। यह एक स्टूडेंट-पॉलिटिकल ड्रामा सीरीज है, जिसमें गगन अरोड़ा और आदिल खान अहम किरदारों में नजर आएंगे। सीरीज की कहानी लेखक नवीन चौधरी के चर्चित उपन्यास जनता स्टोर और ढाई चाल पर आधारित है। कॉलेज की दुनिया में पढ़ाई के साथ राजनीति किस तरह जगह बनाती है और इसके चलते युवाओं के बीच कैसे नए समीकरण बनते हैं, इसी तरह के पहलुओं को यह सीरीज सामने लाएगी। 27 नवंबर से जियोहॉटस्टार पर इसका प्रीमियर होगा।

ब्लेड रनर 2099: साइंस फिक्शन पसंद करने वाले दर्शकों के लिए ब्लेड रनर 2099 खास रहने वाली है। आठ एपिसोड की इस सीरीज की कहानी भविष्य की दुनिया में ले जाएगी। सीरीज में मिशेल यो, हंटर शेफर और टॉम बर्क अहम भूमिकाओं में हैं। मिशेल यो अपने दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं, वहीं हंटर शेफर और टॉम बर्क भी इस कहानी में महत्वपूर्ण किरदार निभाते दिखाई देंगे। 25 नवंबर से इसे प्राइम वीडियो पर देखा जा सकेगा।

द हंचबैक, सोल ऑफ पेरिसः नेटफ्लिक्स पर इस हफ्ते द हंचबैक, सोल ऑफ पेरिस भी दस्तक देने वाली है। जीन फ्रांस्वा रिशे के निर्देशन में बनी इस फिल्म में विंसेंट कैसल, करीम लेक्लू और डैफ्ने पाटाकिया अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का नाम और इसकी पेरिस से जुड़ी पृष्ठभूमि दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा सकती है। विंसेंट कैसल अपने गंभीर और प्रभावशाली किरदारों के लिए पहचाने जाते हैं। वहीं करीम लेक्लू और डैफ्ने पाटाकिया भी कहानी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएंगे। यह फिल्म 27 नवंबर से नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध होगी।

द सोशल रेकनिंगः थ्रिलर फिल्मों के शौकीनों के लिए द सोशल रेकनिंग भी इस हफ्ते देखने का विकल्प है। यह फिल्म 9 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब इसे प्राइम वीडियो पर लाया जा रहा है। 24 नवंबर से दर्शक इसे हिंदी और अंग्रेजी भाषा में देख सकेंगे।

उनके बिना जिंदगी खाली है, धर्मेंद की पहली पुण्यतिथि पर भावुक हुईं हेमा मालिनी



बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र को दुनिया से गए एक साल पूरा हो गया है। 24 नवंबर 2026 को उनकी पहली पुण्यतिथि पर परिवार और चाहने वालों ने उन्हें याद किया। धर्मेंद्र के जाने का दुख उनके फैंस के साथ-साथ परिवार के लिए भी गहरा है। उनके बेटे सनी देओल और बॉबी देओल भी कई मौकों पर पिता को याद कर भावुक हो चुके हैं। वहीं, हेमा मालिनी भी अपने पति धर्मेंद्र को याद करती नजर आईं। पहली पुण्यतिथि पर उन्होंने इंस्टाग्राम पर धर्मेंद्र के साथ कई पुरानी तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों के साथ लिखा उनका भावुक संदेश पढ़कर फैंस भी भावुक हो गए। धर्मेंद्र ने प्यार से थामा था हेमा मालिनी का हाथः हेमा मालिनी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर धर्मेंद्र के साथ कुछ पुरानी तस्वीरें साझा कीं। पहली तस्वीर में दोनों अपने पालतू कुत्ते के साथ नजर आ रहे हैं। वहीं, दूसरी तस्वीर में धर्मेंद्र बड़े प्यार से हेमा मालिनी का हाथ थामे हुए हैं। एक अन्य तस्वीर में दोनों मोबाइल पर कुछ देखते हुए मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों में दोनों के बीच का प्यार साफ दिखाई देता है। पूरा एक साल निकल गया, लेकिन मेरा दुख जरा भी कम नहीं हुआःतस्वीरों के साथ हेमा मालिनी ने अपने दिल की बात भी लिखी। उन्होंने कहा, पूरा एक साल निकल गया, लेकिन मेरा दुख जरा भी कम नहीं हुआ है। मैं एक ऐसे इंसान को खोने का शोक मना रही हूं, जो सिर्फ मेरे लिए पति नहीं थे, बल्कि दोस्त, मार्गदर्शक और प्रेरणा थे। वह मेरी हिम्मत थे। सच कहूं तो मेरा पूरा अस्तित्व थे। हेमा ने आगे लिखा कि धर्मेंद्र के बिना उनकी जिंदगी बहुत खाली हो गई है। उन्होंने बताया कि धर्मेंद्र की दमदार शख्सियत और कोमल स्वभाव उनके पूरे व्यक्तित्व में झलकता था।

वैभव सूर्यवंशी ने रच दिया इतिहास, महज 52 गेंदों में जड़ा दोहरा शतक, ध्वस्त किए कई वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली : क्रिकेट की दुनिया में 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने ऐसा कोहराम मचाया है, जिसे तोड़ पाना भविष्य में किसी भी खिलाड़ी के लिए लगभग नामुमकिन सा नजर आ रहा है। बाएं हाथ के इस विस्फोटक बल्लेबाज ने यूएई के खिलाफ एकदिवसीय मुकाबले में महज 52 गेंदों में दोहरा शतक जड़कर विश्व क्रिकेट के तमाम पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। वैभव ने अपनी इस ऐतिहासिक पारी में कुल 53 गेंदों का सामना करते हुए 204 रनों की तूफानी पारी खेली और इस दौरान 28 गगनचुंबी छक्के लगाकर एक नया विश्व कीर्तिमान अपने नाम कर लिया।



2 8 गेंदों में शतक और 52 गेंदों में दोहरा शतक, तोड़े ये बड़े वर्ल्ड रिकॉर्ड: यूएई के खिलाफ अपनी इस रिकॉर्डतोड़ पारी के दौरान वैभव सूर्यवंशी ने रनों और छक्कों की ऐसी झड़ी लगाई कि रिकॉर्ड बुक के पन्ने पलटते चले गए। उन्होंने महज 28 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो वनडे क्रिकेट इतिहास का सबसे तेज शतक है। इसके बाद उन्होंने सिर्फ 40 गेंदों में 150 रनों का आंकड़ा छूकर वनडे क्रिकेट में सबसे तेज 150 रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी कायम किया। यहीं न रुकते हुए वैभव ने 52 गेंदों में अपना दोहरा शतक पूरा किया और पचास ओवर के क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने न्यूजीलैंड के चैड बोएस का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 103 गेंदों में दोहरा शतक लगाया था। इसके अलावा वे प्रोफेशनल क्रिकेट और लिस्ट ए की एक पारी में सर्वाधिक 28 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। इससे पहले प्रोफेशनल क्रिकेट की एक पारी में सबसे ज्यादा 26 छक्कों का रिकॉर्ड तन्मय अग्रवाल के नाम था, जो उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी में जड़े थे, जबकि लिस्ट ए क्रिकेट में 2018 के दौरान डार्सी शॉर्ट ने एक पारी में 23 छक्के लगाए थे।

इस मुकाबले में यूएई का कोई भी गेंदबाज वैभव सूर्यवंशी के आक्रामक तेवरों से बच नहीं सका और उन्होंने हर गेंदबाज की जमकर खबर ली। वैभव ने इबरार अहमद की 13 गेंदों पर छह छक्के और पांच चौके जड़े, जबकि जाहिद अली के खिलाफ 14 गेंदों में छह छक्के और एक चौका लगाया। वहीं बासिल हमीद की 12 गेंदों पर उन्होंने सात छक्के बटोरे। इसके अलावा उदिश सूरी की नौ गेंदों पर छह छक्के और सिमरनजीत सिंह की महज पांच गेंदों में तीन छक्के लगाकर वैभव ने विपक्षी गेंदबाजी आक्रमण को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया।



टेस्ट टीम में लेफ्ट आर्म पेसर जरूरी, रविचंद्रन अश्विन बोले, किसी को तैयार करो

नई दिल्ली: भारत और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज का पहला मैच ड्रॉ पर खत्म होने के बाद रविचंद्रन अश्विन ने टीम इंडिया में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज की कमी पर चर्चा की है। उन्होंने कहा कि वेलिंगटन में टेस्ट मैच ड्रॉ होने के पीछे सपाट पिच के अलावा खराब टीम चयन भी जिम्मेदार है। अश्विन के अनुसार, बुमराह और सिराज को टीम में रखने के बाद अन्य तेज गेंदबाजों के नाम पर चर्चा होनी चाहिए। वहीं, स्पिन ऑलराउंडर के रूप में रविंद्र जडेजा पहली पसंद होने चाहिए। टीम इंडिया में एक बाएं हाथ के तेज गेंदबाज की कमी है। टेस्ट क्रिकेट में लेफ्ट आर्म पेसर की भूमिका सिर्फ तेज गेंदबाजी तक सीमित नहीं होती। वह पिच पर ऐसा रफ एरिया तैयार करते हैं, जिसका फायदा बाद में ऑफ स्पिनर उठा सकते हैं।

अश्विन के मुताबिक, जब कोई बाएं हाथ का तेज गेंदबाज ओवर द विकेट गेंदबाजी करता है, तो उसकी गेंद पिच पर दाएं हाथ के बल्लेबाज के ऑफ स्टंप के बाहर एक खास जगह पर निशान छोड़ती है। लगातार एक ही जगह पैर लैंड करने से वहां रफ एरिया बनने लगता है। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ता है, यह हिस्सा और उबड़-खाबड़ हो जाता है। इसका सबसे ज्यादा फायदा ऑफ स्पिनर को मिलता है। जब ऑफ स्पिनर उसी रफ एरिया पर गेंद डालता है तो गेंद को अतिरिक्त टर्न और उछाल मिल सकता है। इससे बल्लेबाज के लिए गेंद खेलना मुश्किल हो जाता है। खासकर टेस्ट मैच के तीसरे, चौथे और पांचवें दिन इस तरह के रफ काफी खतरनाक साबित हो सकते हैं।

फुलेरा में फिर मचेगी सियासी हलचल, प्राइम वीडियो की पंचायत 5 के ट्रेलर में दिखी नई कहानी की झलक

मुंबई: भारत–23 नवंबर, 2026: भारत की सबसे बड़ी ओरिजिनल कंटेंट स्ट्रीमिंग सेवा प्राइम वीडियो ने आज देश की पसंदीदा कॉमेडी-ड्रामा सीरीज पंचायत सीजन 5 का आधिकारिक ट्रेलर जारी कर दिया है। सत्ता की नई कुर्सी और ड्रामे के नए दौर के साथ पंचायत अपने नए सीजन के साथ एक बार फिर लौट आई है। इस बार दर्शकों को भावनाओं, दिल छू लेने वाले पलों और ग्रामीण भारत की बेबाक और अनोखी झलक का भरपूर मेल देखने को मिलने वाला है। इस सीजन का निर्देशन दीपक कुमार मिश्रा ने किया है, जबकि दीपक कुमार मिश्रा, चंदन कुमार और अरुणाभ कुमार ने बनाया है, वहीं इसकी कहानी चंदन कुमार ने लिखी है। इसका निर्माण द वायरल फीवर ने किया है। पंचायत सीजन 5 में एक बार फिर अपनी शानदार अदाकारी से दर्शकों का दिल जीतने वाले कलाकारों की पूरी टोली नजर आएगी। इसमें जितेंद्र कुमार,



रघुबीर यादव, नीना गुप्ता, सुनीता राजवर, फैजल मलिक, चंदन रॉय, संविका, दुर्गेश कुमार और अशोक पाठक शामिल हैं। पंचायत सीजन 5 का प्रीमियर 3 दिसंबर, 2026 को भारत और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में एक्सक्लूसिव तौर से प्राइम वीडियो पर होगा। पंचायत सीजन 5 का ट्रेलर फुलेरा में शुरू हो रहे ड्रामे की एक मजेदार झलक दिखाता है, जहां अब कुर्सी किसी और के हाथ में आ गई है, लेकिन मुश्किलें अभी खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। प्रधानजी (रघुबीर यादव) को गद्दी के बिना अपनी जिंदगी की नई परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठाने में मुश्किल हो रही है, वहीं सचिवजी (जितेंद्र कुमार) अपनी निजी महत्वाकांक्षाओं, दोस्ती और पंचायत की बदलती राजनीति के बीच संतुलन बनाने में लगे हैं। इसी बीच, रिंकी (संविका) के साथ उनकी प्रेम कहानी में ऐसा मोड़ आता है, जिसकी किसी ने उम्मीद नहीं की थी। जाने-पहचाने चेहरों, नई चुनौतियों और छोटे शहर के ढेर सारे ड्रामे के साथ फुलेरा एक बार फिर हंगामे के लिए तैयार है। क्या सचिवजी को आखिरकार अपना मनचाहा प्यार मिल पाएगा? और क्या नए प्रधानपति यह साबित कर पाएंगे कि वे फुलेरा की जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं? सीरीज के सह-निमार्ता, सह-रचनाकार और निर्देशक दीपक कुमार मिश्रा ने कहा, चार सीजन के दौरान पंचायत भारत की सबसे पसंदीदा सीरीज में से एक बन गई है। यह सफर इसलिए खास रहा है क्योंकि दर्शकों ने इसके किरदारों और फुलेरा की दुनिया को खूब प्यार दिया है। हर सीजन में हमारी कोशिश रही है कि इस दुनिया को आगे बढ़ाया जाए, साथ ही सीरीज की असलियत और सादगी भी बरकरार रहे।

गेंद पर लार लगाने की शुभमन गिल की मांग को आईसीसी ने ठुकराया

दुबई : अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंद को चमकाने के लिए लार यानी सलाइवा के इस्तेमाल की वापसी का इंतजार कर रहे गेंदबाजों को बड़ा झटका लगा है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल की ओर से गेंद पर सलाइवा लगाने की अनुमति देने की मांग को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद यानी आईसीसी ने सिरे से खारिज कर दिया है। आईसीसी ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह फिलहाल इस प्रतिबंध की समीक्षा करने के मूड में बिल्कुल नहीं है। परिषद का मानना है कि इस नियम को बरकरार रखने के पीछे स्वास्थ्य सुरक्षा और खेल की निष्पक्षता से जुड़े ठोस कारण मौजूद हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट ड्रॉ होने के बाद गिल ने उठाए थे सवालः दरअसल, इस पूरे मामले की शुरूआत न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में खेले गए पहले टेस्ट मैच के ड्रॉ होने के बाद हुई थी। बल्लेबाजों के लिए मददगार साबित हुई उस पिच पर भारतीय गेंदबाज दूसरी पारी में कीवी टीम को ऑलआउट करने में नाकाम रहे थे। मैच के बाद कप्तान शुभमन गिल ने कूकाबूरा गेंद की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए कहा था कि यह गेंद बहुत जल्दी नरम पड़ जाती है। गिल ने



नाराजगी जताते हुए कहा था कि कोविड का दौर अब काफी पीछे छूट चुका है और सात-आठ साल बीत जाने के बाद भी समझ नहीं आता कि गेंदबाजों को गेंद चमकाने के लिए सलाइवा के इस्तेमाल की इजाजत क्यों नहीं दी जा रही है।

मिंट और च्यूइंग गम से गेंद से छेड़छाड़ का डर, संक्रमण का खतरा भी बरकरारः रिपोर्ट्स के अनुसार, आईसीसी इस नियम में किसी भी तरह की ढील देने के पक्ष में नहीं है। साल 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों को संक्रमण से बचाने के लिए सलाइवा पर अस्थायी रोक लगाई गई थी, जिसे बाद में मेरिलबोन क्रिकेट क्लब के नियमों के अनुरूप खेल परिस्थितियों में स्थायी रूप से शामिल कर लिया गया। क्ठउ का मानना है कि सलाइवा के साथ मिठाई, च्यूइंग गम या मिंट जैसी चीजों का उपयोग कर गेंद की स्थिति को अनुचित तरीके से बदला जा सकता है, जिसकी निगरानी करना और इसके दुरुपयोग को रोकना बेहद कठिन होगा। इसके अलावा यूरोपियन सेंटर फॉर डिजीज प्रिवेंशन एंड कंट्रोल के अनुसार कोरोना के नए वैरिएंट्स का खतरा अब भी दुनिया भर में बना हुआ है, जिसे देखते हुए परिषद स्वास्थ्य के साथ कोई जोखिम नहीं लेना चाहता।

आईसीसी की बैठक में नहीं उठा मुद्दा, क्ठछ में पहले ही मिल चुकी है छूटः दिलचस्प बात यह है कि इस महीने की शुरूआत में बाली में संपन्न हुई क्ठउ की बैठकों में सलाइवा प्रतिबंध हटाने को लेकर कोई चर्चा तक नहीं हुई। नियमों के तहत भविष्य में इस पर विचार करने के लिए किसी भी सदस्य देश को पहले संबंधित आईसीसी समिति के समक्ष औपचारिक प्रस्ताव रखना होगा, जिसके बाद ही अंतिम निर्णय के लिए इसे बोर्ड के पास भेजा जा सकता है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से इतर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने घरेलू टूर्नामेंट होने के नाते इंडियन प्रीमियर लीग में यह पाबंदी पहले ही हटा दी है और आईपीएल 2025 से गेंदबाजों को गेंद चमकाने के लिए सलाइवा के इस्तेमाल की छूट मिली हुई है।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में फिर भड़की हिंसा, शेख हसीना के गृह जिला में आगजनी, अवामी लीग के 30 कार्यकर्ता जख्मी



एजेंसी/ ढाका: बांग्लादेश में एक बार फिर हिंसा भडक गई है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के गृह जिला में उनकी पार्टी आवामी लीग के कार्यकर्ताओं पर हमला किया गया है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, इस हमले में हसीना की पार्टी के 30 से ज्यादा कार्यकर्ता जख्मी हुए हैं। वहीं, गोपालगंज में कई घरों और दुकानों में भी तोडफोड़ की गई है। दरअसल, आवामी लीग के कार्यकर्ता पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के समर्थन में रैली निकाल रहे थे। इसी दौरान उन पर देसी बम फेंके गए। यह हमला ऐसे समय में हुआ है, जब शेख हसीना ने बांग्लादेश वापस लौटने की घोषणा की है। जब से हसीना ने बांग्लदेश लौटने का ऐलान किया है, तब से ही बांग्लादेश में आवामी लीग के सदस्यों पर हमले हो रहे हैं।

बांग्लादेश में आवामी लीग और पार्टी की गतिविधियों पर पहले ही प्रतिबंध लगा दिया है। 12 दुकानों में तोडफोड़ बांग्लादेश के गोपालगंज की 12 दुकानों में तोडफोड़ की गई। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, लॉन्च घाट इलाके से अवामी लीग का एक जुलूस निकलने के बाद विवाद शुरू हुआ। गोपलगंज का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें मस्जिद के लाउडस्पीकर बजने के बाद लोग सडकों पर उतरते और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश का विरोध करते दिख रहे हैं।

ट्रंप का भारत समेत 16 देशों पर टैरिफ बढ़ाने का प्लान, फिर बढ़ सकती है व्यापारिक मुश्किलें



वॉशिंगटन /एजेंसी: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर दुनिया के कई देशों पर टैरिफ बढ़ाने की तैयारी में हैं। इस बार अमेरिका के निशाने पर भारत समेत 16 देश बताए जा रहे हैं। अगर ट्रंप प्रशासन का यह प्रस्ताव लागू होता है, तो भारतीय निर्यातकों के लिए अमेरिकी बाजार में कारोबार करना महंगा हो सकता है। इसका असर भारतीय कंपनियों के कारोबार, निर्यात और रोजगार पर भी पड़ने की आशंका है।

द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जैमीसन ग्रीर इसी सप्ताह जांच के नतीजे सार्वजनिक कर सकते हैं। हालांकि, इसकी तारीख में बदलाव भी संभव है। अमेरिका ने कई महीनों तक जांच करने के बाद कुछ देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की तैयारी की है। वाशिंगटन का आरोप है कि ये देश अपनी कंपनियों और उद्योगों को सब्सिडी तथा आर्थिक सहायता देकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुचित प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त दिला रहे हैं।

अमेरिका का मानना है कि सरकारी सब्सिडी के कारण दूसरे देशों के उत्पाद सस्ते हो जाते हैं। इससे अमेरिकी कंपनियों को अपने ही बाजार और अंतरराष्ट्रीय कारोबार में प्रतिस्पर्धा करने में मुश्किल होती है। इसी आधार पर ट्रंप प्रशासन उन देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने पर विचार कर रहा है, जिनकी औद्योगिक नीतियों को अमेरिकी कंपनियों के लिए नुकसानदेह माना जा रहा है।

इस संभावित कार्रवाई के दायरे में भारत, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोपीय संघ समेत 16 देशों को शामिल किए जाने की चर्चा है। प्रस्तावित टैरिफ का असर इन देशों से अमेरिका भेजे जाने वाले अधिकांश उत्पादों पर पड़ सकता है। हालांकि, स्टील, एल्युमीनियम और ऑटोमोबाइल जैसे कुछ क्षेत्रों को पहले से लागू राष्ट्रीय सुरक्षा टैरिफ के तहत अलग रखा जा सकता है।

टैरिफ की दरों को लेकर अलग-अलग देशों के लिए अलग व्यवस्था की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक, जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोपीय संघ पर 15 फीसदी या इससे कम शुल्क लगाया जा सकता है। वहीं, भारत और वियतनाम पर अपेक्षाकृत अधिक टैरिफ लगाने की आशंका है। चीन को सबसे ज्यादा दबाव का सामना करना पड़ सकता है।

भारत के लिए यह घटनाक्रम इसलिए भी अहम है, क्योंकि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर बातचीत जारी है। फरवरी 2026 में दोनों देश एक अंतरिम व्यापारिक फ्रेमवर्क पर सहमत हुए थे। इसमें भारतीय उत्पादों पर रेसिप्रोकल टैरिफ कम करने और अतिरिक्त टैरिफ हटाने जैसे प्रस्ताव शामिल थे। हालांकि, इसके बाद अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले ने ट्रंप प्रशासन की मौजूदा टैरिफ व्यवस्था को प्रभावित किया। इसके चलते अमेरिका को नए सिरे से टैरिफ ढांचा तैयार करना पड़ रहा है। भारतीय वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल भी संकेत दे चुके हैं कि जब तक अमेरिका की नई टैरिफ नीति स्पष्ट नहीं होती, तब तक औपचारिक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करना मुश्किल होगा।

फिलहाल अमेरिका ने अतिरिक्त टैरिफ की अंतिम दरों को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। ऐसे में भारत समेत प्रभावित देशों की नजर अमेरिकी प्रशासन के अगले कदम पर है। यदि भारतीय उत्पादों पर शुल्क बढ़ाया जाता है, तो अमेरिका में उनकी कीमतें बढ़ सकती हैं और भारतीय निर्यातकों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता प्रभावित हो सकती है।

इसका असर कपड़ा, इंजीनियरिंग उत्पादों, रसायन और अन्य निर्यात आधारित उद्योगों पर पड़ने की आशंका है। ऐसे में भारत के सामने अमेरिकी बाजार में अपने निर्यात हितों की रक्षा करने के साथ-साथ व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाने की चुनौती भी होगी।

संविधान दिवस पर कल देशभर में 'संविधान रक्षा मार्च' निकालेगी कांग्रेस पार्टी, लखनऊ में खरगे करेंगे अगुवाई



नई दिल्ली: कांग्रेस 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर देशभर में 'संविधान रक्षा मार्च' निकालेगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित मार्च में शामिल होंगे। पार्टी ने सभी राज्यों में इस कार्यक्रम के आयोजन की तैयारी की है। कांग्रेस की ओर से आयोजित इन मार्चों में प्रदेश कांग्रेस समितियां हिस्सा लेंगी। पार्टी का उद्देश्य संविधान की रक्षा और उसके मूल्यों के प्रति लोगों को जागरूक करना है। कांग्रेस के कार्यक्रम के तहत विभिन्न राज्यों में मार्च निकाले जाएंगे। इस दौरान संविधान की प्रस्तावना का पाठ और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई जाएगी। लखनऊ में होने वाले कार्यक्रम में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की मौजूदगी को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कांग्रेस ने संविधान दिवस के मौके पर देशव्यापी आयोजन के जरिए संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़े मुद्दों को उठाने की तैयारी की है।

समाजवादी पार्टी की ओर से यूपी चुनाव के लिए पांच उम्मीदवारों की सूची जारी करने पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि सपा एक तरफ कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत कर रही है और दूसरी तरफ उम्मीदवारों के नाम घोषित कर रही है। इससे लगता है कि सपा इस बातचीत को गंभीरता से नहीं ले रही है। इस दौरान उन्होंने शायराना अंदाज में कहा, 'उनको अच्छी नहीं लगती बुलंदी मेरी, शायद उनकी परवाज बहुत खलती है', बस यही एक जवाब है... कांग्रेस चाहती थी क्यों कह रहे हैं आप, कांग्रेस जब भी जरूरत होगी उम्मीदवार उतारेगी; इसमें बड़ी बात क्या है? अगर आप गठबंधन के बीच में ऐसा करते हैं, तो यह गठबंधन नहीं है। इसका मतलब है कि आपकी तरफ से कोई गंभीरता नहीं है'।

उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस को अपनी पार्टी के भीतर चर्चा करनी होगी कि सपा के साथ बातचीत जारी रखनी चाहिए या नहीं। मसूद ने सवाल उठाया कि सपा आखिर भाजपा से लड़ना चाहती है या कांग्रेस से? फैसला सपा को करना होगा।

जानबूझकर हटाई थी राजीव गांधी की सुरक्षा, सोनिया-प्रियंका संग वीडियो में राहुल गांधी का खुलासा



नई दिल्ली: कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपने पिता एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या को लेकर एक बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया है कि राजीव गांधी की सुरक्षा व्यवस्था हटा दी गई थी, ताकि उनकी हत्या की जा सके। राहुल गांधी के इस बयान ने राजीव गांधी की सुरक्षा, उनकी हत्या से जुड़े पुराने सवालों और उस समय की राजनीतिक परिस्थितियों को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। राहुल गांधी ने यह आरोप अपनी मां सोनिया गांधी और बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ हुई बातचीत के दौरान लगाया। यह बातचीत सोनिया गांधी की नई किताब बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव के संदर्भ में रिकॉर्ड किए गए एक वीडियो में सामने आई है। वीडियो में सोनिया गांधी ने 1991 के बिहार दौरे का जिक्र किया। राहुल गांधी भी उस दौरे में अपने पिता के साथ थे।

सोनिया ने इस दौरे को बेहद खराब अनुभव बताते हुए कहा कि जब राजीव गांधी विपक्षी दलों की सरकार वाले राज्यों में जाते थे, तो वहां उनकी सुरक्षा को लेकर पर्याप्त गंभीरता नहीं दिखाई जाती थी। राहुल गांधी ने बातचीत में अपने आरोप को दोहराते हुए कहा कि उनके पिता की सुरक्षा जानबूझकर हटाई गई थी। उन्होंने कहा कि यह महज कोई प्रशासनिक गलती या संयोग नहीं था, बल्कि इसके पीछे एक उद्देश्य था। राहुल के मुताबिक, राजीव गांधी की सुरक्षा हटाकर ऐसा माहौल बनाया गया, जिससे उनकी हत्या हो सके। राहुल ने कहा कि उन्होंने इस बारे में अपने पिता और मां दोनों को बताया था। उन्होंने राजीव गांधी के साथ सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अपनी बहस का भी जिक्र किया। राहुल गांधी का यह आरोप उस पुराने राजनीतिक विवाद को फिर से सामने लाता है, जिसमें कांग्रेस लंबे समय से तत्कालीन वीपी सिंह सरकार पर राजीव गांधी की सुरक्षा वापस लेने को लेकर सवाल उठाती रही है।

अरुणाचल सीमा के पास चीन बना रहा दुनिया का सबसे बड़ा बांध, सैटेलाइट डेटा से हुआ खुलासा

,7,बॉटम



गुवाहाटी : चीन अरुणाचल प्रदेश की सीमा के पास दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना का निर्माण तेजी से कर रहा है। तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो नदी पर बनाई जा रही इस परियोजना की क्षमता 60 हजार मेगावाट बताई जा रही है। निर्माण कार्य बड़े पैमाने पर आगे बढ़ चुका है। आईआईटी दिल्ली के फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (एफआईटीटी) में इनक्यूबेट हुए भारतीय जियोस्पेशियल एआई स्टार्टअप अर्थसेंस लैब्स के सैटेलाइट इमेजरी विश्लेषण में इसका खुलासा हुआ है।

विश्लेषण के मुताबिक, चीन ने मुख्य बांध स्थल के आसपास के गांवों को खाली करा दिया है। नदी का रुख मोड़ने का काम भी शुरू हो चुका है। इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश की सीमा के नजदीक बड़े पैमाने पर औद्योगिक ढांचे का निर्माण किया जा रहा है। परियोजना से जुड़े निर्माण कार्य की गति और विस्तार भारत के लिए रणनीतिक चिंता का विषय बन गए हैं।

दरअसल, चीन की यह परियोजना अरुणाचल प्रदेश के उत्तर में मैकमोहन रेखा से करीब 40 से 50 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यारलुंग त्सांगपो नदी भारत में प्रवेश करने के बाद सियांग और आगे ब्रह्मपुत्र के नाम से बहती है। ऐसे में चीन की इस विशाल परियोजना का असर भारत में नदी के जलप्रवाह पर पड़ सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, चीन की इस परियोजना को पांच कैस्केड पावर स्टेशनों के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसकी अनुमानित लागत 1.2 ट्रिलियन युआन यानी करीब 168 अरब डॉलर बताई गई है। परियोजना में नदी के ग्रेट यू-बेंड से होकर गुजरने वाली सुरंगों का निर्माण किया जा रहा है। करीब 40 किलोमीटर लंबी सुरंगों के जरिए लगभग 50 किलोमीटर के दायरे में नदी की 2,000 मीटर से अधिक की ऊंचाई से होने वाली गिरावट का इस्तेमाल बिजली उत्पादन के लिए किया जाएगा।

रिपोर्ट में चार प्रमुख निर्माण स्थलों का उल्लेख किया गया है। इनमें मेनलिंग कस्बे के पास मुख्य बांध स्थल, पाई कस्बे के नजदीक एक निचला बांध, नामचा बरवा पर्वत से गुजरने वाली सुरंग और मेडोग काउंटी के आगे भारत-चीन सीमा के पास सुरंग का निकास शामिल है। इन सभी स्थानों पर निर्माण गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं।

अर्थसेंस लैब्स के विश्लेषण में जुलाई 2025 से अगस्त 2026 तक की सैटेलाइट तस्वीरों की तुलना की गई है। जुलाई 2025 में मुख्य बांध स्थल पर गांव और खेती की जमीन मौजूद थी। दिसंबर 2025 तक गांवों को खाली करा दिया गया और खेतों को हटाकर जमीन समतल करने का काम शुरू हो गया था।

अगस्त 2026 की तस्वीरों में नदी का रुख मोड़ने से जुड़ी गतिविधियां दिखाई दी हैं। इसके अलावा उत्तरी किनारे पर नई सड़कें, अस्थायी आवास और कार्यालयों का निर्माण भी सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सुरंग के निकास वाले क्षेत्र में भी शिलान्यास समारोह से पहले निर्माण गतिविधियां शुरू हो गई थीं। चीन की परियोजना को देखते हुए भारत ने अरुणाचल प्रदेश में सियांग अपर मल्टीपर्पज प्रोजेक्ट (एसयूएमपी) का प्रस्ताव रखा है। 11,200 मेगावाट क्षमता वाली इस परियोजना का उद्देश्य चीन की ओर से नदी के निचले बहाव पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों से निपटना है। प्रस्तावित जलाशय में करीब 9.2 अरब घन मीटर पानी जमा करने की क्षमता होगी।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू के अनुसार, भारत की प्रस्तावित परियोजना की भंडारण क्षमता चीन की परियोजना के लिए बताए गए 5.2 अरब घन मीटर पानी से अधिक है। इससे नदी के बहाव को नियंत्रित करने, अचानक पानी छोड़े जाने की स्थिति से निपटने और कम पानी वाले मौसम में जल उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

हालांकि, सियांग परियोजना को लेकर अरुणाचल प्रदेश में स्थानीय स्तर पर विरोध भी बढ़ रहा है। आदि समुदाय के लोगों ने विस्थापन, जमीन और आजीविका पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर चिंता जताई है। इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को याचिका भी सौंपी गई है। परियोजना के पूर्व-व्यवहार्यता सर्वेक्षण को लेकर तनाव बढ़ने के बाद प्रस्तावित स्थल के आसपास केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती भी की गई थी। अक्टूबर में विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा की घटनाएं भी सामने आई थीं।

रिपोर्ट में चीन की परियोजना के निर्माण की गति और उसके विस्तार का विवरण दिया गया है, लेकिन इसके पर्यावरणीय प्रभाव, नदी के प्राकृतिक बहाव में बदलाव और अरुणाचल प्रदेश तथा असम पर पड़ने वाले संभावित खतरों का कोई सटीक आकलन नहीं किया गया है। रिपोर्ट में चिह्नित निर्माण स्थलों को भी सांकेतिक बताया गया है। पूरा विश्लेषण सैटेलाइट तस्वीरों पर आधारित है।

पाकिस्तान में सिंध बंटवारे पर बवाल, कराची में मुनीर के खिलाफ सडकों पर उतरे लोग, की यह मांग



एजेंसी/कराची: पाकिस्तान में सेना प्रमुख आसिम मुनीर का दांव उल्टा पड़ गया है। दरअसल, सिंध को बांटने और नए प्रांत बनाने की योजना का जबरदस्त विरोध शुरू हो गया है। सिंध प्रांत के हजारों लोगों ने रविवार को कराची की सडकों पर उतरकर प्रस्तावित परिसीमन के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर और पंजाब के प्रभुत्व वाले सैन्य प्रतिष्ठान पर सिंध की पहचान और क्षेत्रीय अखंडता को कमजोर करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। इस दौरान अलग सिंधुदेश बनाने की मांग भी उठी। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने साफ तौर पर चेतावनी दी कि वे पूरे पंजाब में आर्थिक नाकेबंदी कर देंगे। नेताओं ने इस मुद्दे पर जनमत संग्रह कराने के प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक यह प्रदर्शन चार सिंधी राष्ट्रवादी पार्टियों के गठबंधन जेय सिंध रहबर कमेटी (जेएसआरसी) के बैनर तले आयोजित किया गया।

मार्च का नेतृत्व जेय सिंध महाज के अध्यक्ष रियाज अली चांडियो, नियाज कलानी और अन्य नेताओं ने किया। प्रदर्शन में वकीलों और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। विरोध के चलते कराची की कई सडकों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। सिंधी राष्ट्रवादी संगठनों का आरोप है कि पाकिस्तान का सैन्य प्रतिष्ठान सिंध की जमीन, संसाधनों और राजनीतिक अधिकारों पर नियंत्रण बढ़ाना चाहता है। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि सिंध की लाखों एकड़ कृषि भूमि, तटीय द्वीपों और तेल, गैस एवं कोयले जैसे प्राकृतिक संसाधनों पर कब्जे की कोशिश हो रही है। जेय सिंध मुत्तहिदा महाज (जेएसएमएम) ने पंजाब की आर्थिक नाकेबंदी करने का ऐलान किया है। संगठन ने कहा कि सिंध के बंटवारे के खिलाफ उसका अभियान अब अलग सिंधुदेश की स्थापना के आंदोलन में तबदील होगा। जर्मनी में रहने वाले संगठन के अध्यक्ष शफी मोहम्मद बुरफत ने कहा कि सिंध की स्वतंत्रता उनके आंदोलन का बुनियादी उद्देश्य है।

प्यूर्टो रिको की जेनिफर बैरेटो के सिर सजा मिस यूनिवर्स 2026 का खिताब



नई दिल्ली : दुनियाभर की सुंदरियों के बीच कड़े मुकाबले के बाद मिस यूनिवर्स 2026 को अपना विजेता मिल गया है। 75वें मिस यूनिवर्स पेजेंट में प्यूर्टो रिको की जेनिफर बैरेटो ने खिताब अपने नाम कर लिया। उन्हें पिछली मिस यूनिवर्स और मेक्सिको की फातिमा बॉश ने ताज पहनाया।

भारत की ओर से प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाली काजिया लिज मेजो इस बार ताज जीतने से चूक गईं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए टॉप-30 तक का सफर तय किया, लेकिन टॉप-12 में जगह नहीं बना सकीं।

इस बार मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता का 75वां संस्करण होने के कारण आयोजन खास रहा। दुनियाभर के अलग-अलग देशों से आईं सुंदरियों ने खिताब के लिए अपनी दावेदारी पेश की। फाइनल मुकाबले में जेनिफर बैरेटो ने अपने जवाब और आत्मविश्वास से निर्णायकों को प्रभावित किया और विजेता का ताज हासिल किया।

प्रतियोगिता में डोमिनिकन रिपब्लिक की मेलिसा नुनेज फर्स्ट रनर-अप रहीं, जबकि वेनेजुएला की क्लारा वेगास गोएट्ज ने सेकंड रनर-अप का स्थान हासिल किया। टॉप-5 फाइनलिस्ट में फिलीपींस, न्यूजीलैंड, वेनेजुएला, डोमिनिकन रिपब्लिक और प्यूर्टो रिको की सुंदरियां शामिल थीं।

फाइनल राउंड में टॉप-5 प्रतियोगियों से पूछा गया कि मौजूदा समय में दुनिया को अपने नेताओं से सबसे ज्यादा किस चीज की जरूरत है। इस सवाल के जवाब में जेनिफर बैरेटो ने कहा कि दुनिया को ऐसे नेताओं की जरूरत है, जिनमें सहानुभूति और दूसरों को समझने की क्षमता हो। उन्होंने कहा कि आज लोग अक्सर एक-दूसरे को जज करते हैं और सवाल उठाते हैं, लेकिन एक अच्छे नेता को अपने मूल्यों पर कायम रहना चाहिए।

भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली काजिया लिज मेजो ने इसी साल अगस्त में मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 का ताज जीता था। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली केरल की पहली महिला बनी थीं। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में उनका सफर टॉप-30 तक ही सीमित रह गया और वह टॉप-12 में जगह बनाने से चूक गईं।

शेयर बाजार में फिर लौटी रौनक, सेंसेक्स 2000 अंक उछला, निफ्टी में भी लगभग 600 अंकों की तेजी

नई दिल्ली : एक दिन की छुट्टी के बाद बुधवार को भारतीय शेयर बाजार ने शानदार तेजी के साथ कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही दोनों प्रमुख सूचकांकों में जोरदार उछाल देखने को मिला। बीएसई सेंसेक्स में 2000 अंकों की बढ़त देखने को मिली, वहीं एनएसई निफ्टी 50 भी लगभग 600 अंक का उछाल देखने को मिला।बाजार में इस तेजी के पीछे विदेशी निवेशकों की लगातार खरीदारी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी को प्रमुख वजह माना जा रहा है। दरअसल, सप्ताह की शुरूआत भारतीय शेयर बाजार के लिए कमजोर रही थी। सोमवार को चार सप्ताह की लगातार तेजी के बाद निवेशकों ने जमकर मुनाफावसूली की थी। इसके चलते सेंसेक्स और निफ्टी में करीब 1.8 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई थी। मंगलवार को स्थानीय अवकाश के कारण बाजार बंद रहा। बुधवार को कारोबार दोबारा शुरू होते ही बाजार ने तेजी के साथ वापसी की और पिछली गिरावट की भरपाई की दिशा में कदम बढ़ाया।

घरेलू शेयर बाजार को विदेशी संस्थागत निवेशकों की खरीदारी से बड़ा सहारा मिल रहा है। बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद विदेशी निवेशक भारतीय शेयरों में लगातार पैसा लगा रहे हैं। शुरूआती आंकड़ों के मुताबिक, सोमवार को बाजार में भारी गिरावट के बावजूद विदेशी निवेशकों ने 5,673 करोड़ रुपये यानी करीब 610.59 मिलियन डॉलर के शेयर खरीदे। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर में अब तक विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में 14.28 अरब डॉलर का निवेश कर चुके हैं। इसे विदेशी निवेश का रिकॉर्ड स्तर बताया जा रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

धनबाद का हृदय स्थली मैथन डैम झारखंड का धरोहर है

ज्योति पाठक : प्राकृतिक सौंदर्य, मनमोहक दृश्य और वृहद रूप से जल का नजारा देखना हो तो धनबाद जिला के मैथन में स्थित मैथन डैम जिला का गौरव है। यहां पर पर्यटक और लोग सालों भर आते हैं और प्राकृतिक सौंदर्य और जल के अनुपम स्थल को देखकर काफी आनंदित भी होते हैं इसलिए इसे धनबाद जिला का हृदयस्थली भी माना जाता है।लोग इस स्थल पर नौका विहार के द्वारा पूरे डैम का अवलोकन करके प्रफुल्लित हो जाते हैं। बरसात के समय इसकी सुंदरता और बढ़ जाती है।मैथन डैम लंबाई और ऊंचाई भी काफी अलौकिक है इसी का यह परिणाम है कि मैथन डैम को देखने के लिए सालों भर लोगों का तांता लगा रहता है।

संघर्षों को पीछे छोड़ सरीयन बारला बनीं महिलाओं के लिए प्रेरणा



रांची : रांची जिले के बेड़ो प्रखंड के बोदा गांव की 42 वर्षीय सरीयन बारला ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपनी मेहनत से नई पहचान बनाई है। पति के निधन के बाद अपनी साढ़े तीन साल की बेटी की जिम्मेदारी संभालते हुए उन्होंने दोबारा काम शुरू किया। आज वह पलाश उत्तम एग्रो प्रोसेसिंग सेंटर से जुड़कर ह्यउत्तम दीदी के रूप में महिलाओं द्वारा तैयार दालों और मसालों को गांव-गांव तक पहुंचा रही हैं। वर्ष 2016 से स्वयं सहायता समूह से जुड़ी सरीयन 2024 में केंद्र से जुड़ीं और हाट-बाजारों में उत्पादों की बिक्री करने लगीं। वह महिलाओं को पौष्टिक आहार के प्रति जागरूक भी करती हैं। अब तक वह केंद्र से करीब 1.28 लाख रुपये के उत्पाद खरीदकर बेच चुकी हैं। उनका लक्ष्य अधिक से अधिक महिलाओं को आजीविका से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना है।

हीरो फिनकॉर्प का पूर्वी भारत में ऋण वितरण बढ़ाने पर जोर

रांची : हीरो फिनकॉर्प ने जनवरी से सितंबर 2026 के बीच पूर्वी भारत में 2.37 लाख से अधिक खुदरा, एमएसएमई और कॉर्पोरेट ऋण वितरित किए। कंपनी ने अगले दो तिमाहियों में ऋण वितरण दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। इसमें बिहार और झारखंड सबसे आगे रहे, जबकि ओडिशा, पश्चिम बंगाल और असम का स्थान इसके बाद है। कंपनी छोटे शहरों और पूर्वोत्तर राज्यों में भी अपनी पहुंच बढ़ा रही है। इसके तहत वाहन ऋण, व्यक्तिगत ऋण, कारोबार ऋण और संपत्ति पर ऋण जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। कंपनी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रक्रिया से ऋण आवेदन में ग्राहकों के लिए जरूरी जानकारी के क्षेत्रों को 90 से घटाकर तीन कर दिया है, जिससे आवेदन और मंजूरी की प्रक्रिया आसान हुई है। कंपनी के अनुसार, ग्राहक सेवा से जुड़े 72 प्रतिशत से अधिक सवालों का समाधान स्वचालित प्रणालियों के माध्यम से किया जा रहा है। वहीं, 4,200 से अधिक संपर्क केंद्रों के नेटवर्क के जरिए कंपनी देशभर में 1.5 करोड़ से अधिक ग्राहकों को सेवाएं दे रही है।

रोमांचक सेमीफाइनल में बाबा वैद्यनाथ इलेवन देवघर ने हजारीबाग ग्रीन सिटी को 2 रन से हराया

हजारीबाग : मेयर लीग टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के तीसरे दिन सोमवार को हजारीबाग के संजय सिंह स्टेडियम में पहला सेमीफाइनल मुकाबला बाबा वैद्यनाथ इलेवन देवघर और हजारीबाग ग्रीन सिटी के बीच खेला गया। बेहद रोमांचक और उतार-चढ़ाव से भरे मुकाबले में बाबा वैद्यनाथ इलेवन देवघर ने हजारीबाग ग्रीन सिटी को महज 2 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की।

पहले बल्लेबाजी करते हुए बाबा वैद्यनाथ इलेवन देवघर की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 191 रन बनाए। देवघर की ओर से सुनील ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 53 गेंदों में 88 रन की बेहतरीन पारी खेली और टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। 192 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हजारीबाग ग्रीन सिटी की टीम ने भी दमदार खेल का प्रदर्शन किया। टीम निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 189 रन ही बना सकी और लक्ष्य से महज 2 रन पीछे रह गई। हजारीबाग की ओर से मणिकांत मिश्रा ने 32 गेंदों में 78 रन की तूफानी पारी खेलकर मैदान में मौजूद दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। वहीं, अमन कुमार ने 27 गेंदों में 47 रन बनाकर मणिकांत का शानदार साथ निभाया।

मुकाबले के दौरान एक समय हजारीबाग ग्रीन सिटी की जीत लगभग तय नजर आ रही थी, लेकिन अंतिम ओवरों में बाबा वैद्यनाथ इलेवन देवघर के खिलाड़ियों ने शानदार वापसी करते हुए रनों पर अंकुश लगाया और बेहद रोमांचक मुकाबले में 2 रन से जीत हासिल कर ली।

देवघर के महापौर रवि कुमार रावत ने टीम की जीत पर खुशी जाहिर करते हुए सभी खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने दोनों टीमों के खेल प्रदर्शन की सराहना की। मुकाबले में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल, संघर्ष और खेल भावना का परिचय दिया।

बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सुनील को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। सेमीफाइनल मुकाबले में अंपायर की भूमिका प्रभात कुमार और प्रवीण ने निभाई, जबकि उद्घोषक के रूप में चंदन सिंह तथा स्कोरर के रूप में अनिकेतन ने योगदान दिया।

रांची इलेवन ने हजारीबाग एचडीसीए को 74 रन से हराया

पहले सेमीफाइनल मुकाबले से पूर्व रांची इलेवन और हजारीबाग एचडीसीए के बीच टूर्नामेंट का अंतिम लीग मुकाबला खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए रांची इलेवन की टीम ने 200 रन बनाए और हजारीबाग एचडीसीए के सामने 201 रन का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी हजारीबाग एचडीसीए की टीम 126 रन पर ऑल आउट हो गई। इस तरह रांची इलेवन ने 74 रन से जीत दर्ज की।

रांची इलेवन की ओर से युवराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 21 गेंदों में 50 रन बनाए और साथ ही तीन महत्वपूर्ण विकेट भी हासिल किए। उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

इस मुकाबले में अंपायर की भूमिका कुणाल और खुर्शीद आलम ने निभाई, जबकि उद्घोषक के रूप में चंदन सिंह एवं शरीफुल्लाह गुड्डू ने योगदान दिया। स्कोरर के रूप में अनिकेतन ने सहयोग किया। हजारीबाग के उपायुक्त ने भी मैदान पर खेल का शानदार प्रदर्शन किया।

पलामू के राजहरा कोलियरी में ब्लास्टिंग को लेकर विवाद, ग्रामीणों ने विस्फोटक लदी गाड़ियां रोकी

दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज

संवाददाता

पलामू : पलामू के पड़वा थाना क्षेत्र में सीसीएल की कोलियरी में ब्लास्टिंग को लेकर विवाद शुरू हो गया है। ग्रामीणों ने 500 किलो विस्फोटक को रास्ते में रोक दिया। पूरे मामले में दो प्राथमिकी दर्ज की गई है। एक में सीसीएल के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज हुई है, तो दूसरे में महिला सिपाही के आवेदन पर एफआईआर दर्ज की गई है।

पहली घटना 21 नवंबर की है। करीब 500 किलो बारूद ब्लास्टिंग के लिए मंगवाया गया था। माइंस में ले जाने के दौरान कुछ ग्रामीणों ने बारूद लदी गाड़ी को रोक दिया था। इस क्रम में सीसीएल प्रबंधन और ग्रामीणों के बीच बहस भी हुई थी। बाद में सीसीएल के सुरक्षा विभाग में कार्य करने वाले बलराम साव ने 15 ग्रामीणों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराई थी। आवेदन में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि ग्रामीण लगातार प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करते हैं। वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि घर से सटे हुए इलाकों में विस्फोट किए जा रहे हैं। इस कारण घरों को नुकसान होने की आशंका है। इस घटना में तीन ग्रामीणों को चोट भी लग चुकी है।



वहीं दूसरी घटना 23 नवंबर की देर शाम को हुई है। कोलियरी में ब्लास्टिंग के लिए बारूद ले जाया जा रहा था। इसी क्रम में विस्फोटक लदी गाड़ी को ग्रामीणों ने दोबारा रोक दिया। मामले की जानकारी मिलने के बाद पड़वा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों से बातचीत की। इस क्रम में एक महिला विस्फोटक के नजदीक चली गई। मौके पर तैनात महिला जवान ने विस्फोटक के नजदीक जाने वाली महिला को हटाने का प्रयास किया। इसी क्रम में अन्य ग्रामीण उससे उलझ गए। पूरे मामले में महिला सिपाही तारा देवी ने छह नामजद, जबकि 30 से 35 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

इस संबंध में पड़वा थाना प्रभारी अंकित कुमार ने बताया कि पूरे मामले में दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस पूरे मामले में अनुसंधान कर रही है। एक मामले में सीसीएल प्रबंधन के द्वारा आवेदन दिया गया था। दूसरे मामले में महिला सिपाही के द्वारा आवेदन दिया गया है।

नरसिंह मेले में सांसद मनीष जायसवाल ने किया चना वितरण

हजारीबाग। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मंगलवार को कटकमदाग प्रखंड के खपरियावां पंचायत स्थित भगवान नरसिंह बाबा के दरबार में पारंपरिक नृसिंह मेले का भव्य आयोजन हुआ। मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और आगंतुक पहुंचे। इस अवसर पर भाजपा कटकमदाग मंडल की ओर से सेवा केंद्र और खोया-पाया केंद्र स्थापित किया गया। सेवा केंद्र के माध्यम से श्रद्धालुओं के बीच चना वितरित किया गया। हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने भगवान नरसिंह बाबा के दरबार में पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने सेवा केंद्र का शुभारंभ करते हुए श्रद्धालुओं के बीच चना वितरित किया और मेले में पहुंचे लोगों का स्वागत किया।

एसडीओ और उनके इंजीनियर पति के 6 ठिकानों पर एसवीयू की छापेमारी

संवाददाता

पटना/गोपालगंज : बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ विशेष निगरानी इकाई (एसवीयू) ने बड़ी कार्रवाई की है। आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में गोपालगंज सदर की अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) डॉ. प्रेरणा सिंह और उनके पति सहायक अभियंता रितेश कुमार के छह ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की जा रही है।

रितेश कुमार पथ निर्माण विभाग के पटना स्थित नई राजधानी अवर पथ प्रमंडल-2 में सहायक अभियंता के पद पर कार्यरत हैं। विशेष निगरानी इकाई ने इस मामले में 23 नवंबर 2026 को कांड संख्या 29/2026 दर्ज किया था।

जांच एजेंसी के अनुसार, दंपती पर सेवा अवधि के दौरान कथित तौर पर भ्रष्ट एवं अवैध तरीके से लगभग 1 करोड़ 98 लाख 28 हजार 175 रुपये की आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है।



विशेष न्यायाधीश, निगरानी द्वारा जारी तलाशी वारंट के आधार पर पटना स्थित दो फ्लैट, रितेश कुमार के कार्यालय, उनके पैतृक गांव घोषाल और बिक्रमगंज में तलाशी ली जा रही है। इसके साथ ही गोपालगंज में रञ्ज्ड डॉ. प्रेरणा सिंह के सरकारी आवास और कार्यालय में भी एक साथ छापेमारी की कार्रवाई जारी है। फिलहाल विशेष निगरानी इकाई की टीम विभिन्न ठिकानों पर दस्तावेजों, संपत्ति और अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है। छापेमारी पूरी होने के बाद ही बरामदगी और आगे की कार्रवाई से जुड़ी विस्तृत जानकारी सामने आएगी।

बिरसा मुंडा ग्रामीण खेल प्रतियोगिता में हजारीबाग का रहा दबदबा

हजारीबाग : खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड सरकार के तत्वावधान में जिला खेल कार्यालय की ओर से कर्जन स्टेडियम स्थित न्यू स्टेडियम में आयोजित प्रमंडल स्तरीय भगवान बिरसा मुंडा लोकप्रिय ग्रामीण एवं स्वदेशी जनजातीय खेल प्रतियोगिता-2026 का सोमवार को समापन हुआ। 23 और 24 नवंबर को आयोजित प्रतियोगिता के अंतिम दिन फुटबॉल और हॉकी की रोमांचक स्पर्धाएं हुईं। फुटबॉल बालक वर्ग में धनबाद विजेता और कोडरमा उपविजेता रहा, जबकि बालिका वर्ग में हजारीबाग ने चतरा को पीछे छोड़ते हुए खिताब अपने नाम किया। हॉकी के बालक और बालिका दोनों वर्गों में हजारीबाग विजेता बना, जबकि रामगढ़ की टीम उपविजेता रही। समापन समारोह में जिला खेल पदाधिकारी कैलाश राम ने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पदक और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी 26 से 28 नवंबर तक रांची में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इसके लिए सभी खिलाड़ी 25 नवंबर को अपने-अपने जिलों से रांची रवाना होंगे। प्रतियोगिता के आयोजन से ग्रामीण एवं स्वदेशी खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिला।

पटना एनकाउंटर पर सियासी दबाव का सवाल

तीन मौतों के बाद पुलिस की कार्रवाई कठघरे में, निष्पक्ष जांच की मांग तेज

संवाददाता

पटना : बिहार की राजधानी पटना के दानापुर-मनेर इलाके में पुलिस मुठभेड़ में तीन लोगों की मौत के बाद मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। पुलिस इस कार्रवाई को पैक्स अध्यक्ष संजीत कुमार उर्फ भोलू हत्याकांड से जुड़ी बड़ी सफलता बता रही है, जबकि मृतकों के परिजनों ने मुठभेड़ को फर्जी बताते हुए पुलिस की कार्रवाई पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

अब इस पूरे मामले में राजनीतिक दबाव और पुलिस कार्रवाई की निष्पक्षता को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। सवाल यह है कि क्या इस मामले की जांच बिना किसी राजनीतिक प्रभाव के हो रही है? क्या पुलिस के दावों और मृतकों के परिजनों के आरोपों की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाएगी? फिलहाल इन सवालों का जवाब निष्पक्ष जांच के बाद ही सामने आ सकता है।

तीन मौतों के बाद पुलिस की जवाबदेही पर सवाल

इस संवेदनशील मामले पर सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता संजीव कुमार सिंह ने भी गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को अपराधी घोषित करने और उसके विरुद्ध कार्रवाई करने का अधिकार कानून के दायरे में ही होना चाहिए। यदि मुठभेड़ की परिस्थितियों में किसी निर्दोष की जान गई है, तो इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

उन्होंने मांग की कि पूरे घटनाक्रम की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराई जाए। मुठभेड़ से जुड़े सभी साक्ष्यों, परिस्थितियों, पुलिस की कार्रवाई और गोलीबारी की वास्तविक स्थिति की पड़ताल होनी चाहिए। जांच में यदि कोई पुलिसकर्मी या अन्य व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ भी बिना भेदभाव कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

जेपी यादव और भाजपा विधायक के साथ तस्वीरों पर भी उठे सवाल : मामले में मृतक जेपी यादव की दानापुर के भाजपा विधायक रामकृपाल यादव के साथ सामने आई तस्वीरों का भी उल्लेख किया गया है। अधिवक्ता संजीव कुमार सिंह ने कहा कि इस संबंध में विधायक को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करना चाहिए कि जेपी यादव से उनका क्या परिचय या संबंध था। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति के साथ तस्वीर होना अपने आप में किसी आपराधिक संबंध का प्रमाण नहीं है। इसलिए इस विषय को भी तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर ही देखा जाना चाहिए।

मृतक के भाई के आरोपों की भी हो जांच : मृतक जेपी यादव के भाई की ओर से लगाए गए आरोपों ने मामले को और गंभीर बना दिया है। परिजनों का सवाल है कि यदि जेपी यादव का नाम पैक्स अध्यक्ष हत्याकांड में नामजद नहीं था, तो पुलिस ने उसे इस मामले से किस आधार पर जोड़ा?

यह सवाल भी जांच का विषय है कि पुलिस को मुठभेड़ से पहले क्या जानकारी मिली थी, आरोपियों की पहचान किस आधार पर की गई और घटनास्थल पर वास्तव में किन परिस्थितियों में गोलीबारी हुई।

जातीय और राजनीतिक एंगल की चर्चा, लेकिन जांच जरूरी : इस घटना के बाद कुछ लोगों की ओर से जातीय भेदभाव और राजनीतिक हत्या की आशंका भी जताई जा रही है। हालांकि, इन आरोपों की अभी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में किसी निष्कर्ष पर पहुंचने के बजाय इन आशंकाओं की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या इस पूरे मामले में किसी राजनीतिक दबाव के कारण वास्तविक तथ्यों को सामने आने से रोका जा रहा है? क्या पुलिस की कार्रवाई की समीक्षा स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से होगी? इन सवालों पर प्रशासन की स्पष्ट प्रतिक्रिया और जांच की पारदर्शिता बेहद महत्वपूर्ण है।

कानून से ऊपर कोई नहीं, न अपराधी और न वदीर्धारी : अधिवक्ता संजीव कुमार सिंह ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन संविधान और कानून से ऊपर किसी को भी नहीं रखा जा सकता। पुलिस को अपराध नियंत्रण के लिए पूरी स्वतंत्रता मिलनी चाहिए, लेकिन उस स्वतंत्रता का इस्तेमाल कानूनी सीमाओं के भीतर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कानून का राज तभी मजबूत होगा, जब न्याय का तराजू सभी के लिए समान होगा। अपराधी को सजा मिलनी चाहिए, लेकिन निदोर्षों के जीवन और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा भी उतनी ही जरूरी है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि पटना एनकाउंटर की निष्पक्ष जांच कब और किस स्तर पर होती है तथा पुलिस की कार्रवाई, परिजनों के आरोपों और कथित राजनीतिक कनेक्शन से जुड़े सवालों पर प्रशासन क्या जवाब देता है।

बिहार के बाढ़ पीड़ितों की 7,000 राहत राशि का भुगतान तत्काल सुनिश्चित करें मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी : संजीव कुमार सिंह

पटना एवं सारण जिला प्रशासन सात दिनों के अंदर पंचायतवार जांच कर वंचित गरीब परिवारों को राहत उपलब्ध कराएं

संवाददाता

पटना : बिहार में बाढ़ की त्रासदी से प्रभावित गरीब परिवारों को सरकार द्वारा घोषित ₹7,000 की राहत सहायता राशि अब तक नहीं मिलने की शिकायतें सामने आ रही हैं। दीपावली और छठ जैसे महत्वपूर्ण त्योहार बीत जाने के बाद भी यदि बाढ़ पीड़ित गरीब परिवार आर्थिक सहायता की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो यह गंभीर जनहित का विषय है।

इस संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता, अक्ठउ संजीव कुमार सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने बाढ़ के दौरान भारी कठिनाइयों का सामना किया है। अनेक गरीब परिवारों के घर, अनाज, पशुधन और रोजगार प्रभावित हुए हैं। ऐसे समय में सरकार द्वारा घोषित ₹7,000 की सहायता राशि उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण है। लेकिन लाभार्थियों की सूची तैयार करने, सत्यापन तथा उझळ के माध्यम से बैंक खातों में राशि भेजने की प्रक्रिया में देरी की शिकायतें मिलना चिंताजनक है।

संजीव कुमार सिंह ने कहा कि सरकार की घोषणा तभी सार्थक होगी, जब उसका लाभ प्रत्येक पात्र बाढ़ पीड़ित परिवार तक पहुंचेगा। किसी भी गरीब परिवार को सरकारी सहायता के लिए अधिकारियों और कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ने चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी से प्रमुख मांगें

बिहार के सभी बाढ़ प्रभावित जिलों में घोषित ₹7,000 की सहायता राशि का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

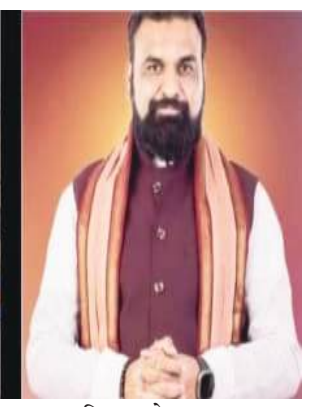
पटना एवं सारण जिले की सभी प्रभावित पंचायतों में विशेष जांच अभियान चलाया जाए।

जिन पात्र परिवारों का नाम लाभार्थी सूची में नहीं है, उनका पुनः सर्वेक्षण कर नाम जोड़ा जाए।

जिन लाभार्थियों के बैंक खातों में उझळ के माध्यम से राशि नहीं पहुंची है, उनकी भुगतान संबंधी समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाए।







बाढ़ राहत वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता, भ्रष्टाचार, पक्षपात अथवा लापरवाही की शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराई जाए।

पंचायतवार लाभार्थियों की सूची एवं भुगतान की स्थिति सार्वजनिक की जाए।

प्रत्येक प्रभावित जिले में एक विशेष शिकायत निवारण व्यवस्था स्थापित की जाए, जिससे वंचित परिवार अपनी शिकायत दर्ज करा सकें।

पटना जिला प्रशासन से विशेष अपील

संजीव कुमार सिंह ने जिलाधिकारी पटना एवं पटना जिला प्रशासन के सभी संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि जिले की बाढ़ प्रभावित पंचायतों में राहत वितरण की वास्तविक स्थिति की समीक्षा की जाए।

जिलाधिकारी स्वयं प्रखंड विकास पदाधिकारियों, अंचल अधिकारियों एवं पंचायत स्तर के अधिकारियों के साथ बैठक कर पात्र एवं वंचित परिवारों की पहचान करें। जिन लोगों को अभी तक सहायता राशि नहीं मिली है, उनके भुगतान की समयबद्ध व्यवस्था की जाए।

सारण जिला प्रशासन से विशेष अपील

उन्होंने जिलाधिकारी सारण एवं सारण जिला प्रशासन से भी आग्रह किया है कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर प्रत्येक पात्र परिवार को राहत सहायता उपलब्ध कराई जाए।

सारण जिले के ग्रामीण क्षेत्रों एवं प्रभावित पंचायतों में लाभार्थियों की सूची, बैंक खातों में भुगतान की स्थिति तथा शिकायतों की जांच कराई जाए। किसी भी पात्र परिवार को प्रशासनिक लापरवाही के कारण सरकारी सहायता से वंचित नहीं रखा जाना चाहिए।

सात दिनों में कार्रवाई और रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग

संजीव कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी, पटना जिला प्रशासन एवं सारण जिला प्रशासन से आग्रह किया है कि अगले सात दिनों के भीतर दोनों जिलों की पंचायतवार समीक्षा कर वंचित लाभार्थियों की पहचान, भुगतान की स्थिति और लंबित शिकायतों की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए।

उन्होंने कहा कि बिहार के गरीबों, किसानों, मजदूरों और बाढ़ पीड़ित परिवारों का सम्मान एवं अधिकार सुनिश्चित करना सरकार और प्रशासन की संवैधानिक एवं नैतिक जिम्मेदारी है।

संजीव कुमार सिंह ने कहा कि सरकार को केवल राहत राशि की घोषणा तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अंतिम जरूरतमंद व्यक्ति तक सहायता पहुंचे। बाढ़ पीड़ित परिवारों की पीड़ा को समझते हुए मुख्यमंत्री एवं जिला प्रशासन को तत्काल ठोस कदम उठाने चाहिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह किसी राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का नहीं, बल्कि बिहार के लाखों जरूरतमंद नागरिकों के अधिकार, सम्मान और जीवन से जुड़ा जनहित का मुद्दा है।

अंत में उन्होंने बिहार सरकार, मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी, पटना जिला प्रशासन एवं सारण जिला प्रशासन से अपील की कि बाढ़ पीड़ित गरीब परिवारों को उनकी घोषित राहत सहायता राशि शीघ्र उपलब्ध कराई जाए तथा इस विषय पर संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की जाए।